जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, मंगलवार 11 मार्च, 2025

OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

69 वर्षों का विश्वास

ओसवाल सोप ग्रुप

नाम ही है भरोसे की पहचान

69 वर्षों से ओसवाल सोप ग्रुप हर कदम पर दे रहा है आपका साथ,
रखकर आपकी हर जरुरत का खास ख्याल....

आपके पशुओं के लिए सर्वोत्तम आहार
नीरवी पशु आहार

नेचुरल ऑयल से बना ओसवाल सोप,
कपड़ों और हाथों को रखे कोमल सालों - साल

ज्यादा सफाई | कपडो की देखभाल | कम पानी मे घुलाई | त्वचा का पूरा ख्याल | अखाद्य तेल से बना | वर्षो का विश्वास

Disclaimer: Brand ambassadors represent different product categories of M/s Uttam Chand Des Raj (Oswal Soap Group). Mr. Anupam Kher endorses Pashu Ahaar, and Mr. Paresh Rawal endorses Oswal Soap Products. Their joint appearance is promotional, not a shared endorsement.

Oswal
ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें
बीकानेर: 9362053661,नोखा:8824779474
खाजुवाला: 9414547157, पर कॉल करे

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और **ओसवाल ऐप** डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

विचार बिन्दु

दुर्बल चरित्र का व्यक्ति उस सरकंडे जैसा है जो हवा के हर झौंके पर झुक जाता है।–माघ

यह चुप्पी क्या कहती है?

गत तीन माह से, जब से डोनाल्ड ट्रंप दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी न किसी बहाने लगातार अपमानित कर रहे हैं, किंतु मोदी द्वारा इसके बारे में कोई वक्तव्य या प्रतिक्रिया न देना आश्चर्य का विषय बन गया है। सबसे पहले तो डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री को आमंत्रित नहीं किया गया, इसके बावजूद कि प्रधानमंत्री डोनाल्ड ट्रंप को अपना बहुत ही निकट का दोस्त बताते रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय से इस संबंध में मोदी के लिए निमंत्रण प्राप्त करने का प्रयास भी किया, किंतु वे सफल नहीं हो पाए। बाद में भारत के राष्ट्रीय मीडिया द्वारा इसी बात को प्रमुखता से दिखाया गया कि कैसे भारत के विदेश मंत्री जय शंकर को शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रथम पंक्ति में बिठाया गया।

शपथ ग्रहण के कुछ दिनों बाद प्रधानमंत्री अमेरिका गए। वे वहां पर व्हाइट हाउस के ओवल कार्यालय में डोनाल्ड ट्रंप से मिले। वहां से उनकी बातचीत का सीधा प्रसारण टीवी के माध्यम से किया गया। इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री की मुद्रा स्वाभाविक नहीं लगी और जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिकी भारत व्यापार के बारे में गलत तथ्य कहे, तो मोदी ने उसका प्रतिकार नहीं किया और वह सिर झुकाए हुए, ट्रंप द्वारा कही गई बातों को सुनते रहे। इसके विपरीत, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो से मुलाकात की तो, जब भी राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई गलत बात कही, तो उन्होंने, उन्हें रोककर तत्काल प्रतिकार किया और विरोध जताया। यही एक स्वाभिमानी राष्ट्रीय मुखिया से अपेक्षित भी होता है। उनकी मुद्रा भी एक बराबरी के राष्ट्रध्यक्षों की बातचीत जैसी थी। मोदी का यह व्यवहार कुछ आश्चर्यचकित करने वाला था, क्योंकि मोदी सदैव डोनाल्ड ट्रंप को अपना गहरा दोस्त कहकर संबोधित करते रहे हैं। सामान्यत: मोदी प्रत्येक छोटी-बड़ी बात पर सदैव अपनी प्रतिक्रिया किसी न किसी माध्यम से देते रहे हैं किंतु ट्रंप के समक्ष उन्होंने ऐसा नहीं किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पद ग्रहण करते ही, गैर कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे विदेशी प्रवासियों को ट्रंप द्वारा वापस अपने देश में भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। भारत के लगभग 200 प्रवासियों को अमेरिकी सेना के हवाई जहाज में भरकर बेड़ियां लगाकर भारत भेजा गया। यह न केवल अपमानजनक बल्कि अमानवीय भी था, किंतु इसका विरोध न प्रधानमंत्री ने किया न विदेश मंत्रालय ने। वेनेजुएला के प्रवासियों के साथ जब इसी प्रकार का बर्ताव किया गया तो वहां के राष्ट्रपति ने इसका विरोध किया और अमेरिका को स्पष्ट कर दिया कि वे अपना यात्री विमान भेजकर अपने नागरिकों को अपने देश ले जाएंगे।

भारतीयों के इस अपमान का कोई प्रतिरोध न करना, प्रधानमंत्री के उस दावे के साथ मेल नहीं खाता है जो उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के पहले कई बार किया कि वे सभी देशों के साथ बराबरी के स्तर पर बात करेंगे और आवश्यकता हुई तो आँखें भी दिखाएंगे। मोदी ने तो इस ट्रंप से मुलाकात के दौरान शायद इसका प्रतीकात्मक विरोध भी नहीं किया। इसका परिणाम यह हुआ कि अगली बार भी इसी तरह भारतीय नागरिकों को अपमानित कर पनामा के माध्यम से भेजा गया। वहां से लौटे एक भारतीय नागरिक सतपाल सिंह ने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव के दौरान बताया कि उनके साथ अमेरिकियों द्वारा बहुत खराब व्यवहार किया गया। उन्हें बहुत ठंडे तापमान में रखा गया और बीमार होने पर दवा तक नहीं दी गई। अमेरिका ने ऐसा करके न केवल भारत के स्वाभिमान पर आघात किया अपितु भारतीयों के साथ अमानवीय व्यवहार भी किया।

कुछ समय बाद, अमेरिका के राज्यों की गवर्नरों की बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट रूप से यह कहा कि मैंने मेरे दोस्त नरेंद्र मोदी को 21 मिलियन डॉलर (अर्थात लगभग 180 करोड रुपए) चुनाव के लिए दिए। यह एक प्रकार से सीधा आरोप था, जिसका खंडन अथवा उस बारे में स्पष्टीकरण भारत के प्रधानमंत्री अथवा भारत सरकार द्वारा किया जाना चाहिए था। देश इसका इंतजार ही करता रहा, किंतु ऐसा अब तक नहीं हुआ, और आज भी राष्ट्रपति का बयान यथावत है।

नरेंद्र मोदी सामान्यतया, विद्यार्थियों से परीक्षा से संबंधित विषयों पर चर्चा करते रहते हैं और अपने स्वाभिमान की बात कई स्थानों पर करते हैं, किंतु भारतीयों को बेड़ियां डालकर भेजने पर उसका विरोध तक न करना उनकी कमजोरी और समर्पण भाव को ही दर्शाता है। यह इसलिए भी अधिक अटपटा लगा क्योंकि नरेंद्र मोदी ने बड़े मजबूत और कठोर निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री के रूप में अपनी छवि बनाई है, चाहे तीन तलाक वाला कानून बनाना हो, कश्मीर में धारा 370 हटाना हो, पूरे देश में लॉक डाउन लगाना हो या फिर अचानक नोटबंदी की घोषणा हो।

जो प्रधानमंत्री एक समय रूस, यूक्रेन का युद्ध रुकवाने की बात करते थे और गज़ा पर लगातार बयान देते थे, वे इतने महत्वपूर्ण विषयों और ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार पर एक शब्द तक न बोलें और पूर्णतया चुप्पी साध लें, यह समझ से परे लगता है। इसी प्रकार जो मोदी, पूर्व राष्ट्रपति को, एक देश एक चुनाव वाली समिति का अध्यक्ष बनाने और स्वायत्त संस्था आर बी आई के गवर्नर को प्रधानमंत्री कार्यालय में सचिव के पद पर लगाने जैसा असामान्य निर्णय लेने की क्षमता रखते हों, वे इतना सब होने पर भी चुप्पी साधे रहें, यह रहस्यात्मक लगता है।

इस बारे में विपक्ष ने जब भी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा तो सरकार ने लगातार चुप्पी ही बनाई रखी। जो प्रधानमंत्री 2014 से 24 तक लगातार टीवी पर नियमित रूप से अवतरित होते रहते थे, उन्होंने इन सारी घटनाओं के बावजूद एक बार भी कभी टीवी पर आकर अपना पक्ष नहीं रखा।

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में गरिमा की सारी सीमा पार करते हुए यहां तक कह डाला कि उन्होंने भारत को एक्सपोज कर दिया है। इसका सीधा मतलब यह है कि उन्होंने भारत की पोल खोल दी है।

ट्रंप के कड़े रुख को भांपते हुए भारत ने बिना अमेरिका के कहे हुए ही, उनके द्वारा निर्मित हार्ले डेविडसन मोटर साइकिल और टेस्ला की इलेक्ट्रिक कार पर आयात शुल्क बहुत घटा दिया है। उल्लेखनीय है कि टेस्ला के मालिक एलोन मस्क है जो राष्ट्रपति ट्रंप के नजदीकी मित्र हैं। टेस्ला पर तो आयात शुल्क लगभग 110% से घटाकर 15% कर दिया गया है। इससे इस कंपनी को बहुत फायदा होगा और उसका पूरा लाभ एलोन मस्क को जाएगा।

भारत द्वारा इस प्रकार का आत्मसमर्पण कभी नहीं देखा गया और भारत सदैव देश हित में स्वायत्त और स्वतंत्र नीतियां बनाता रहा है। भारत द्वारा विभिन्न अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क इसलिए अधिक रखा जाता है कि उसका भारतीय उद्योगों पर विपरीत प्रभाव न पड़े। अमेरिका ने केवल यह धमकी दी थी कि वे भारत के साथ पारस्परिक रूप से समान आयात शुल्क (टैरिफ) रखेंगे। इसका अर्थ यह हुआ कि यदि भारत टैरिफ कम नहीं करेगा तो अमेरिका भी भारत से वहां जाने वाली वस्तुओं पर उतना ही अधिक टैरिफ लगाएगा। यदि ऐसा होता है, तो भारतीय निर्यातकों का सामान वहां बिकना बहुत कठिन हो जाएगा जिससे यहां के उद्योगों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

यही नहीं, जब प्रधानमंत्री व्हाइट हाउस में गए और वहां पर एलन मस्क उनसे मिले तो उनके साथ उनके परिवार के सभी सदस्य भी थे और उन्होंने अपने छोटे पुत्र को कंधे पर उठा रखा था। क्या उनका यह व्यवहार हमारे प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा के अनुरूप है?

ट्रंप के प्रतिदिन के बयानों से विश्व में संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है। विभिन्न प्रकार के उनके बयानों के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी का एक शब्द नहीं बोलना और किसी प्रकार की प्रतिक्रिया न देना और विरोध नहीं करना, कई प्रकार की शंकाएं भारतीयों के मन में उत्पन्न कर रहा है कि प्रधानमंत्री आखिर ऐसा क्यों कर रहे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप को भारतीय प्रधानमंत्री की ऐसी कोई कमजोरी हाथ लग गई है जिसके कारण वे प्रधानमंत्री पर दबाव बनाने में कामयाब हो रहे हैं।

गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पहले 1993 के आस पास नरेंद्र मोदी अमेरिका में काफी समय तक रहे थे। उस समय उनकी वहां पर क्या गतिविधियां थीं और वे किससे मिलते थे, इस बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत जानकारी उपलब्ध नहीं है। क्या उस समय की कोई घटना ट्रंप की जानकारी में आई है जिसके कारण वे हमारे प्रधानमंत्री को अपमानित करते जा रहे हैं और वे कुछ नहीं बोल पा रहे हैं।

एक कयास यह लगाया जा रहा है कि अमेरिका के चुनाव से पूर्व जब मोदी वहां गए तो वे ट्रंप से नहीं मिले जबकि ट्रंप ने पहले ही यह वक्तव्य दे दिया था कि मोदी उनसे मिलने आएंगे। इसे ट्रंप ने अपनाअपमान समझा और शायद वे इसी का बदला ले रहे हों।

प्रधानमंत्री की चुप्पी अडानी प्रकरण के कारण भी हो सकती है, जो अमेरिका में लंबित है। वहां की सरकार ने भारत सरकार के विधि मंत्रालय को एक पत्र भेज कर गौतम अडानी पर सम्मन तामील कराने में सहायता मांगी है। कहा तो यह भी जा रहा है कि इसी पत्र को रुकवाने के लिए मोदी आपाधापी में ट्रंप से मिलने अमेरिका गए, किंतु फिर भी वे इसमें सफल नहीं हो पाए।

जो प्रधानमंत्री एक समय रूस, यूक्रेन का युद्ध रुकवाने की बात करते थे और गज़ा पर लगातार बयान देते थे, वे इतने महत्वपूर्ण विषयों और ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार पर एक शब्द तक न बोलें और पूर्णतया चुप्पी साध लें, यह समझ से परे लगता है। इसी प्रकार जो मोदी, पूर्व राष्ट्रपति को, एक देश एक चुनाव वाली समिति का अध्यक्ष बनाने और स्वायत्त संस्था आर बी आई के गवर्नर को प्रधानमंत्री कार्यालय में सचिव के पद पर लगाने जैसा असामान्य निर्णय लेने की क्षमता रखते हों, वे इतना सब होने पर भी चुप्पी साधे रहें, यह रहस्यात्मक लगता है। इसी कारण यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि मोदी, कहीं राजनीति से पलायन की तो नहीं सोच रहे हैं।

इन सब अटकलों पर विराम तो तब ही लगेगा जब प्रधानमंत्री अपनी लंबी चुप्पी तोड़कर ट्रंप के अपमानजनक व्यवहार का उपयुक्त जवाब देंगे। भारत के नागरिक को यह जानने का हक है कि उनके प्रधानमंत्री ने इस प्रकार आत्मसमर्पण का भाव अपनाकर चुप्पी क्यों साध रखी है? जब तक वे ऐसा नहीं करेंगे, लोग अपनी-अपनी सुविधानुसार इस चुप्पी का अर्थ निकालते रहेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

क्या सोशल मीडिया के बगैर जीवन संभव है...

अविनाश जोशी

सोशल मीडिया आज के इंटरनेट युग का एक अभिन्न अंग है जिसका दुनिया में एक अरब से अधिक लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है। यह एक ऑनलाइन मंच है जो उपयोगकर्ता को एक सार्वजनिक प्रोफाइल बनाने एवं वेबसाइट पर अन्य उपयोगकर्ताओं के साथ सहभागिता करने की अनुमति देता है। सोशल मीडिया नेटवर्किंग के कई रूप हैं जिनमें वेबलॉग, सामाजिक ब्लॉग, माइक्रोब्लागिंग, विकीज, सोशल नेटवर्क, पॉडकास्ट, फोटोग्राफ, चित्र, वीडियो शामिल हैं। इन सबमें फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब सबसे ज्यादा प्रचलित है। बीते कुछ वर्षों से पूरी दुनिया में इसकी जरूरत और ग्लोबल कम्यूनिकेशन में इसके रोल को हाइलाइट करने के लिए वर्ल्ड सोशल मीडिया डे मनाया जाने लगा है। 1997 में दुनिया का सबसे पहले पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लॉन्च हुआ था। इसका नाम सिक्स डिग्री था। इस प्लेटफॉर्म को एंड्रयू वेनरिच ने शुरू किया था।

सोशल मीडिया एक ऐसा टूल है जो अपने यूजर-फ्रेंडली फीचर्स के कारण इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर और अन्य जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोगों को दूर-दूर तक एक-दूसरे से जुड़ने का मौका दे रहे हैं। दूसरे शब्दों में, सोशल मीडिया की बदौलत पूरी दुनिया हमारी उंगलियों पर है। युवा विशेष रूप से सोशल मीडिया के सबसे प्रभावशाली उपयोगकर्ताओं में से एक है। जब हम सोशल मीडिया के सकारात्मक पहलू पर नजर डालते हैं तो हमें इसके कई फायदे नजर आते हैं। सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा के लिए एक बेहतरीन उपकरण होना है। सभी आवश्यक जानकारी बस एक क्लिक दूर है। छात्र सोशल मीडिया का उपयोग करके विभिन्न विषयों पर खुद को शिक्षित कर सकते हैं।

इसके अलावा, सोशल मीडिया के कारण अब लाइव व्याख्यान संभव है। आप भारत में बैठे-बैठे अमेरिका में हो रहे किसी लेक्चर को अटेंड कर सकते हैं जैसे-जैसे अधिक से अधिक लोग अखबारों से दूरी बना रहे हैं, वे खबरों के लिए सोशल मीडिया पर निर्भर हो रहे हैं। इसके जरिए आप दुनिया की ताजातरीन घटनाओं से हमेशा अपडेट रहते हैं। एक व्यक्ति दुनिया के मुद्दों के प्रति सामाजिक रूप से अधिक जागरूक हो जाता है। यह आपके प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करता है। सोशल मीडिया के कारण अब दूरी कोई बाधा नहीं रह गई है। उदाहरण के लिए, आप विदेशों में अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ आसानी से संवाद कर सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह युवा उभरते कलाकारों को मुफ्त में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच भी प्रदान करता है। सोशल मीडिया के जरिए भी आपको रोजगार के बेहतरीन मौके मिल सकते हैं। यह निश्चित रूप से उन कंपनियों को फायदा पहुंचाता है जो अपने ब्रांड का प्रचार करना चाहती हैं। सोशल मीडिया विज्ञापन का केंद्र बन गया है और आपको ग्राहक से जुड़ने के बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।

सिक्के के दो पहलू होते हैं इतने अनोखे फायदे होने के बावजूद भी सोशल मीडिया हमेशा विवादो के घेरे में ही रहता है तथा कुछ विशेष परिस्थितियों में इसे समाज के सबसे हानिकारक तत्वों में से एक माना जाता है। अगर सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर निगरानी नहीं रखी गई तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह आपकी निजता पर हमला करता है। सोशल मीडिया पर होने वाली ओवरशेयरिंग बच्चों को शिकारियों और हैकर्स का निशाना बनाती है। इससे साइबर बुलिंग भी होती है जो किसी भी व्यक्ति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। सोशल मीडिया पर विशेष रूप से बच्चों द्वारा साझा की जाने वाली सामग्री पर हर समय निगरानी रखी जानी चाहिए। कई बार यह लत छात्र जीवन के शैक्षिणक प्रदर्शन में बाधा डालती है क्योंकि वे पढ़ाई के बजाय सोशल मीडिया पर अपना समय बर्बाद करते हैं। सोशल मीडिया सांप्रदायिक दरार भी पैदा करता है। इसके इस्तेमाल से फर्जी खबरें फैलाई जाती हैं, जो शांतिप्रिय नागरिकों के दिमाग में जहर घोलती हैं। स्कूल-कालेजों में बच्चों को इस लत से मुक्ति के नुस्खे समझाए-बताए जाते हैं। मगर चिंता की बात है कि कम होने के बजाय सोशल मीडिया मंचों की लत भयावह रूप लेती जा रही है। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि बहुत सारे युवा सोशल मीडिया पर अपने किसी चित्र या टिप्पणी पर मिली पसंद से धूम्रपान जैसा आनंद महसूस करते हैं। जाहिर है, इसीलिए वे लगातार सोशल मीडिया पर बने रहते हैं। पहले के अध्ययनों से भी जाहिर है कि इससे युवाओं, किशोरों में दिमाग के भीतर पैदा होने वाले आनंद के रसायन का प्रवाह बढ़ जाता है, जिससे उन्हें सुख मिलता है। मगर इस सुख के चलते उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर कितना बुरा असर पड़ता है, युवा इसका अनुमान नहीं लगा पाते।

आज की पीढ़ी किताबो को अपने लिविंग रूम में सजा तो रही है लेकिन पढ़ने के नाम पे सन्नाटा ही नजर आता है। किताबें पढ़ने की आदत बहुत तेजी से खत्म हो रही है। जाहिर है, इससे भटकाव की स्थिति भी कई बार भयावह सी दिखाई देती है। हमे पुराण, वेद, ग्रंथ, साहित्य एवम शिक्षा संबंधी किताबो को आभाषी दुनिया से जोड़ना होगा जिससे नई पीढ़ी किताबो में रुचि ले सके।

कुछ लोगो का मत हैं कि इससे स्कूली पाठ्यक्रम का अध्ययन बाधित होता है और कई तरह की व्यवहारगत समस्याएं पैदा होती हैं चिड़चिड़ापन, अकेलापन, अवसाद, हिंसक वृत्ति, असंवेदनशीलता, समाज से विच्छिन्नता आदि जैसे मानसिक विकार अब युवाओं में आम हो चले हैं। इससे पार पाने के अनेक उपाय किए जा रहे हैं, मगर समस्या यह है कि जब तक युवाओं को खुद इस बात का अहसास न हो और वे इस लत से मुक्ति पाने की कोशिश न करें, तब तक कोई भी उपाय कारगर साबित नहीं हो पाता। आमतौर पर बच्चों को अनुशासित करने की जिम्मेदारी माता-पिता की समझी जाती है। हर माता-पिता चूंकि सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से वाकिफ है, अपने बच्चों को इससे दूर रखने का प्रयास करता भी है। मगर चीजें अब इस कदर उलझ चुकी हैं कि अभिभावक भी इसके आगे हथियार डाल चुके हैं। स्कूलों की पढ़ाई-लिखाई, अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री भी तो इंटरनेट पर ही उपलब्ध है।

आज वैचारिक और वैश्विक स्तर पर फैलती संकीर्णता के दौर में यह जीवन भी सिमटता जा रहा है और कई बार हम अपनी हरकतों पर भी इतराते फिरते हैं। हैरानी की बात यह है कि सार्वजनिक जगहों पर ओछेपन को सराहने वाले लोग भी दिख जाते हैं। सड़क पर सोशल मीडिया के लिए 'रील' बनाते युवा लोकप्रियता के लालच में हर तरह की मर्यादा को भूल रहे हैं। अपने पर आए जोखिम को लेकर भी लापरवाह हो रहे हैं। सोशल मीडिया के अनुसार जो दिखता है, वही बिकता और टिकता है। विविध आनलाइन मंचों का दायरा आज काफी विस्तृत हो गया है। इसलिए इसका असर भी व्यापक होता है। मगर इस चालू सिद्धांत के मोहजाल में फंसकर युवा जिस तरह के अंदाज, ढंग और भाषा को बरत रहे हैं, वह नितांत खोखलेपन का शिकार हो रहा है। यह विडंबना ही है कि एक असभ्य भाषा सोशल मीडिया पर खूब प्रसार पाती है या पसंद की जाती है। सवाल है कि क्या हमारा समाज इसी तरह का बन रहा है!

अजीबोगरीब 'इमोजी' की भाषा में बात करना और रटे-रटाए दो-तीन जुमले बोलने से कोई आधुनिक नहीं बन जाता। यह बात आज की पीढ़ी को समझ नहीं आ रही है। सच यह है कि यह सजगता और होश की कमी है जो आज की 'फटाफट संस्कृति' की देन है। नए-नए प्रसाधन लगाकर खुद को चमका लेना एक बात है और एक ठहराव तथा गंभीरता होना दूसरी बात।सोशल मीडिया में लोकप्रिय होना एक तिलिस्म है। आज हम सुबह उठते ही सबसे पहले सोशल मीडिया से अपना नाता जोड़ अपने दिन की शुरुआत करते है चाहे वो फेसबुक इंस्टाग्राम या फिर ट्विटर ही क्यों न हो। आखिर जिंदगी के इतने महत्वपूर्ण क्षण आप जब सोशल मीडिया को दे रहे है

बेहतर यही होगा कि हमारे युवा अपने लिए अपनी मौलिकता से जरा-सा अलग, मगर एकदम नया गढ़ें। दूसरों के बनाए फटाफट वाले चालू रास्ते पर चलना, रातों-रात लोकप्रिय होने की ख्वाहिश और उसके लिए ऊटपटांग तौर-तरीके अपनाना दरअसल, सृजनात्मकता बिल्कुल नहीं है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि हम कितने कथित आधुनिक हैं। फर्क तब पड़ता है, जब हम अपने आसपास की दुनिया के लिए कुछ नवीन और हटकर सोच पाते हैं। ऐसा कतई नहीं होना चाहिए कि आभासी दुनिया में उलझे हमारे बच्चे अपनी मौलिक सोच, अपने सदगुण, अपनी सहजता को ही खो बैठें और यह दुनिया देखती रह जाए।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

निवाई कृषि मण्डी में सरसों की बम्पर आवक, 40 हजार कट्टे बिकने के लिए आए

सोमवार को सरसों 5500 से 5700 रूपये में बिकी, जिंसों की आवक लगातार जारी रहने से मण्डी में रौनक लौटी, मेले जैसा माहौल रहा

निवाई, (निसं)। सोमवार को कृषि मण्डी में सरसों की बम्पर आवक हुई, जिससे मण्डी में मेले जैसा माहौल नजर आया। सोमवार को मण्डी में सरसों के करीब 40 हजार कट्टे बिकने के लिए आए। झिलाय रोड स्थित रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज के निर्माण कार्य के चलते रास्ता डायवर्ट कर रखा है, जिससे 80 फीट रोड होते हुए श्याम मंदिर से आवागमन होने के कारण श्याम मंदिर के बाहर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई, जिससे एकादशी के पर्व पर श्याम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं व कॉलोनिवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही मण्डी के बाहर प्रवेश के लिए वाहनों की लम्बी कतारें लग गई। मण्डी का गेट सुबह सात बजे खुलने के साथ ही सरसों के कट्टे से भरे हुए वाहन अन्दर प्रवेश करने लगे। सरसों के साथ-साथ अन्य जिंस भी बिकने के लिए आई।

निवाई में कृषि मण्डी परिसर में दुकानों के बाहर लगे हुए सरसों के ढेर।

- **टोंक जिले के अनेक गावों सहित सवाईमाधोपुर व दौसा जिले के गांवों से भी सरसों बेचने के लिए किसान मण्डी में पहुंच रहे हैं**

व्यापारी टोनू शिवाड़ व पवन बोहरा ने बताया कि सोमवार को सरसों के करीब 40 हजार कट्टों की आवक हुई है। उन्होंने बताया कि सरसों 5500 से 5700 रूपये में बिकी। जिंसों की आवक लगातार जारी रहने से मण्डी में रौनक लौट आई है और दिनभर जिंसों से भरे वाहनों की आवाजाही के चलते मण्डी परिसर में मेले जैसा माहौल हो रहा है। वहीं वाहनों की अधिकता के चलते जाम की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि व्यापारियों ने दोपहर 12 बजे बाद बोली लगाई। इन दिनों में मण्डी में टोंक जिले के अनेक गावों सहित सवाईमाधोपुर व दौसा जिले के गांवों से भी सरसों बेचने के लिए किसान मण्डी में पहुंच रहे है। इस दौरान मंडी सचिव कमलकिशोर सोनी, रामावतार घाटी, शिवप्रकाश पारीक, विष्णु बोहरा, अमित कटारिया, केदार खण्डेलवाल, घनश्याम शर्मा, दीपक गुप्ता, ओमप्रकाश चंवरिया, अजय जैन व राजेन्द्र चौधरी सहित कई व्यापारी मौजूद थे।

आंतरिक सुरक्षा और इंडो-पाक बॉर्डर पर आवाजाही को नियंत्रित करने पर जोर

- **कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में कलेक्टर ने ड्रोन, मादक पदार्थों और सोशल मीडिया पर नजर रखने के निर्देश दिये**

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में आंतरिक सुरक्षा और इंडो-पाक बॉर्डर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

जिला कलेक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में नार्को को-ऑर्डिनेशन सेंटर के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों और मादक पदार्थों पर रोक लगाने के लिए कड़े निर्देश दिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर वैध-अवैध आवाजाही को नियंत्रित करने पर जोर दिया। ड्रोन गतिविधियों की रोकथाम के लिए पुलिस और अन्य एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इनमें अक्षीय और समानांतर सड़कों का निर्माण, नशामुक्त श्रीगंगानगर अभियान, भारत माला सड़क की सुरक्षा के लिए नई पुलिस चौकियां और सीसीटीवी कैमरों की स्थापना शामिल थी। कलेक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में इंटरनेट व सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर भी कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। पुलिस और बीएसएफ को आपसी समन्वय से काम करने को कहा गया। धार्मिक गतिविधियों और वाहनों की आवाजाही पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, एएसपी रघुवीर शर्मा, जिला परिषद सीईओ गिरधर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राशिफल

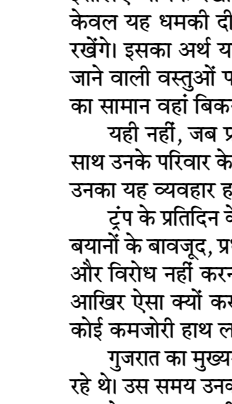

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 11 मार्च, 2025

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 2:15 तक, अतिगंड योग दिन 1:17 तक, बालव करण प्रात: 8:14 तक, चन्द्रमा रात्रि 2:15 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:15 तक है। रवि योग रात्रि 2:15 से आरम्भ होगा। आज गोविन्द द्वादशी, भौम प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:41 से 11:04 तक, लाभ-अमृत 11:04 से 2:05 तक, शुभ 3:33 से 5:01 तक।

राहूकाल: 3:00 से 04:30 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 6:29

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाओं पर धन खर्च होगा।

कर्क

व्यावसायिक वार्ता के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह

नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर

घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

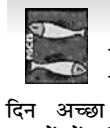

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 229 प्रभात | बीकानेर, मंगलवार 11 मार्च, 2025 | डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रू.

ट्रम्प के मनमर्ज़ी वाले निर्णय व लगातार इकॉनमी पर हो रहे आक्रमण से तंग आया कैनडा

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहु प्रतिष्ठित बैंकर, मार्क कार्नी, जो कि बैंक ऑफ इंगलैण्ड के चेयरमैन भी रह चुके हैं, को कैनडा का प्र.मंत्री बनाया गया

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 मार्च। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के हमलों से जूझते हुए देश यू.एस. के मनमाने तरीकों और आक्रमणों के विरूद्ध अपनी लड़ाई तेज कर रहे हैं।

अमेरिका के निकटतम पड़ोसी, कैनडा में नए नेता ने सत्ता संभाली है और कई मामलों में वो ट्रम्प का जोरदार मुकाबला कर सकते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो के इस्तीफे के बाद मार्क कार्नी को सत्तारूढ़ कैनेडियन लिबरल पार्टी का नेता चुना गया है, जो एक अनुभवी बैंकर व कुशल अर्थशास्त्री हैं। ट्रम्प के इकोनॉमिक वॉर का सामना करने के लिए देश को दिशा दिखाने में असफल रहे ट्रूडो को व्यापक स्तर पर नापसंद किया जा रहा था।

जहां, एक तरफ यू. एस. के हमलों से घिरे देश पलटवार की तैयारी कर रहे हैं, वहीं, अमेरिका की इकॉनमी लड़खड़ा रही है। यू. एस. का स्टॉक मार्केट गिर रहा है और निवेशक इक्विटी में इन्वैस्टमैंट को जोखिमपूर्ण मान रहे हैं। निवेशक बॉण्ड्स में रूचि दिखा रहे हैं, और इसलिए स्टॉक मार्केट गिर रहा है।

- **मार्क कार्नी ने पद सम्भालते ही कहा, वे अमेरिका से ''टैरिफ वॉर'' लड़ने के लिए पूर्णतया कटिबद्ध है। एक तरफ तो, उन्होंने अमेरिका से कैनडा जा रहे सामान पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा, की, दूसरी ओर कैनडा द्वारा अमेरिका सप्लाई की जाने वाली बिजली को टाइट करने का मन बनाया। कैनडा, अमेरिका की ऊर्जा की काफी डिमांड की पूर्ति करता है।**
- **यहां यह भी उल्लेखनीय है, कि इसी समय अमेरिका में ''रिसैशन'' (मंदी का दौर) भी आया है। तथा, इनवैस्टर अब शेयर मार्केट में पैसा लगाना जोखिम का काम समझ रहे हैं और अधिकतर ''बॉण्ड'' खरीद रहे हैं।**
- **उदाहरण के लिए, एलन मस्क की कम्पनी टैस्ला, जो कभी शेयर मार्केट की लीडर मानी जाती थी, अपने शेयर्स के दाम गिरते हुए देख रही है। अमेरिका की इकॉनमी में मंदी का दौर आने की बात स्वयं ट्रम्प ने भी टी.वी. पर स्वीकार की।**

विशेष रूप से कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयर गिर रहे हैं। एलन मस्क की कंपनी टैस्ला अब निवेशकों की चहेती नहीं है, लोग टैस्ला से पैसा निकाल रहे हैं। परिणामस्वरूप, एक समय पर बाज़ार की प्रमुख कंपनी, टैस्ला के शेयर गिर रहे हैं। कंपनी के मार्केट कैपिटलाइज़ेशन में भारी कमी आई है।

चर्चा है कि कई मायनों में अमेरिका रिसैशन (मंदी) के खतरे में है। यहां तक कि डॉनल्ड ट्रम्प को भी इस संभावना को स्वीकार करना पड़ा और बड़े ही असहज रूप से उन्होंने यह समझाने का प्रयास किया कि क्या हो रहा है। उन्होंने अपने चहेते न्यूज़ चैनल, फॉक्स न्यूज़ को बताया कि वे यू. एस. इकॉनमी की पुनः संरचना करने का एक बड़ा प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में कुछ अस्थाई अड़चनें संभव हैं।

अमेरिका अभी तक भी, नई नौकरियों के सृजन में बढ़ोतरी कर रहा है। लेकिन, ट्रैंड नीचे की तरफ जा रहा है और कुछ लोगों का मानना है कि नई नियुक्तियां रूक सकती हैं। कुछ निवेशकों का मानना है कि फैडरल गवरमैंट (संघीय सरकार) व यू. एस. फैडरल रिज़र्व के बीच वास्तविक संघर्ष हो सकता है। यू. एस. फैडरल रिज़र्व ने अपने वर्तमान चेयरमैन, जैरोम पॉवेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने परकोटे के 19 भवनों का यथास्थिति का आदेश समाप्त किया

जयपुर, 10 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने परकोटे के आवासीय इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों के मामले में अवैध तौर पर चिन्हित 19 भवनों पर गत 7 मार्च को दिए यथास्थिति आदेश को समाप्त कर दिया है। अदालत ने कहा कि 25 फरवरी को इन भवनों को सील करने का आदेश समानान्तर खंडपीठ ने दिया था। ऐसे में वह उस आदेश में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं। प्रभावित भवन मालिक चाहें तो उस खंडपीठ के समक्ष अपनी बात रखें या उसकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करें, लेकिन मामले में दिया यथा-स्थिति का आदेश जारी नहीं रहेगा। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने ये आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही, अदालत ने इन प्रभावितों को मामले में पक्षकार के तौर पर शामिल कर लिया है।

- **अदालत ने कहा कि समानान्तर खंडपीठ 25 फरवरी को इन भवनों को सील करने का आदेश दे चुकी है। ऐसे में वे उस आदेश में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।**

सुनवाई के दौरान, प्रभावित भवन मालिकों की ओर से कहा गया कि जिस रिपोर्ट के आधार पर गत 25 फरवरी का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अहमदाबाद-मुम्बई बुलेट ट्रेन की लागत में फिर वृद्धि : ''प्रोजैक्ट कॉस्ट'' दो लाख करोड़ रुपए हुई

प्रोजैक्ट अब 2024 के बजाय 2031 में पूरा होने की बात चल रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मार्च। समझा जाता है कि ''मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल'' (एमएएचएसआर) की संशोधित लागत दो लाख करोड़ तक पहुँच गई है तथा प्रोजैक्ट के पूरा होने की समय सीमा भी 2031 तक बढ़ा दी गई है।

भारत के प्रथम हाई स्पीड रेल प्रोजैक्ट की अनुमानित लागत मूलरूप से 96,000करोड़ रूपये थी तथा इसे 2024 तक पूरा हो जाना था। पहले संशोधन के बाद, यह लागत 1,08,000 रूपये हो गई थी। इसका कारण यह निर्णय था कि यह लाइन पुलों पर बनाई जायेगी, क्योंकि कॉरिडोर के कई हिस्सों में काली मिट्टी थी तथा जमीन का अंदरूनी भाग पूरी तरह ठोस नहीं था। इस हिस्से में भरूच तथा बड़ौदा का नज़दीकी हिस्सा भी शामिल था।

समझा जाता है कि नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरिडोर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा रेलवे बोर्ड के समक्ष हाल ही दिये गये एक प्रैज़ेन्टेशन में, प्रोजैक्ट की एग्ज़ीक्यूटिव एजेंसी ने यह सूचित कर दिया है कि कई कारणों से प्रोजैक्ट की लागत और बढ़ गई है, इन कारणों में, कोविड-19 महामारी की अवधि में कार्य की धीमी प्रगति भी शामिल है। बताया जाता है कि रूपया-येन मुद्राओं की कीमत में आये बदलाव के कारण भी लागत में वृद्धि हुई है।

- **प्रोजैक्ट पर प्रारम्भ में 96 हजार करोड़ रुपये आने का आंकलन था, तथा प्रोजैक्ट 2024 तक पूरा हो जाने का प्रोजेक्शन किया गया था।**
- **जैसा का विदित ही है, प्रोजैक्ट का 80 प्रतिशत खर्च, जापान इन्टरनेशनल कोऑपरेशन एजेन्सी (जीका) बड़े रियायती दर पर ऋण दे कर वहन कर रही है, तथा बाकी 20 प्रतिशत खर्च केन्द्रीय सरकार, गुजरात सरकार व महाराष्ट्र सरकार को वहन करना है।**
- **प्रोजैक्ट की लागत बढ़ने के कई कारण हैं, कुछ जायज़ कुछ नाजायज़, कुछ राजनीतिक और कुछ गैर राजनीतिक।**

प्रोजैक्ट की लागत के 80 प्रतिशत हिस्से की फंडिंग ''जापान इन्टरनैशनल को-ऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा 50 साल के ऋण से की जा रही है। यह ऋण 0.1 प्रतिशत ब्याज पर है तथा ऋण की वापसी पर 20 वर्ष विलम्बन (मॉरेटोरियम) है। शेष 20 प्रतिशत लागत का 50 प्रतिशत हिस्सा केन्द्र सरकार वहन करेगी तथा दस-दस प्रतिशत का समान हिस्सा महाराष्ट्र तथा गुजरात सरकार देंगी।

बताया जाता है कि अन्तर्मन्त्रालयी ग्रुप, जिसमें जापान तथा भारत के अधिकारी शामिल हैं, की हाल ही में हुई एक मीटिंग में, जापानी पक्ष ने यह जानकारी दी है कि उनके लिये 2030 से पहले ''शिंकनसेन'' रोलिंग स्टॉक देना संभव नहीं हो पायेगा, क्योंकि भारत सरकार ने इसके लिये अभी तक ऑर्डर भी नहीं दिया है। भारत को 400 शिंकनसेन कोच की जरूरत है, जो 8 तथा 16 कोचों वाली ट्रेनों के रूप में चलेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'1247 शराब की दुकानों की नीलामी पर रोक नहीं'

हाईकोर्ट ने नीलामी और एक्साइज़ के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिए

- यादवेन्द्र शर्मा -

जयपुर, 10 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 1241 शराब की दुकानों की मंगलवार को होने जा रही नीलामी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को छूट दी है कि वे नीलामी में शामिल हो सकते हैं। वहीं, अदालत ने कहा कि मात्र याचिका लंबित रहने को नीलामी में याचिकाकर्ता की अयोग्यता नहीं माना जाए। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं की दुकानों की नीलामी को अदालत में याचिका के निर्णय के अधीन रखा है। चीफ जस्टिस (सी.जे.) एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने ये आदेश सीता देवी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत में इस मामले में राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता भरत व्यास और उनके सहायक अधिवक्ता कपिल व्यास पैरवी के लिए पेश हुए थे। उन्होंने अदालत से कहा कि राज्य सरकार पहली बार एक वर्ष या ज्यादा से ज्यादा, दो वर्ष के लिए बिक्री पर नियंत्रण के लिए ''एक्ससाइज़ पॉलिसी 2025'' ला रही है, जो 2029 तक लागू रहेगी। उन्होंने कहा कि यह फैसला राज्य सरकार ने इसलिए लिया कि ताकि सभी पार्टियों के साथ मिलकर एक ऐसी स्थिर नीति लागू की जाए, जिससे विभाग को ही नहीं, बल्कि इस व्यवसाय से जुड़े व्यवसाइयों को भी लाभ हो। उन्होंने अदालत को बताया कि शराब की बिक्री पर एक्साइज़ राज्य के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जिससे 2025-26 में 17 हजार करोड़ का राजस्व कमाए जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि नीति को व्यवसाइयों ने खुले दिल से अपनाया है और 7665 दुकानों में से 6418 दुकानें पहले ही नीलामी में बेची जा चुकी हैं और वर्तमान में केवल 1247 दुकानों की नीलामी ही शेष है। उन्होंने बताया कि 1247 दुकानों की नीलामी से राज्य सरकार को 2 हजार करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने का अनुमान है। उन्होंने अदालत को बताया कि वर्तमान नीति में 'क्लस्टर सिस्टम' को अपनाया गया है, ताकि व्यवसायिक

- **अदालत ने याचिकाकर्ताओं को भी राहत देते हुए कहा कि वे भी नीलामी में हिस्सा ले सकते हैं और उनकी याचिका लंबित होना, उन्हें नीलामी में भाग लेने से वंचित नहीं रख सकता। अदालत ने कहा कि सरकार उन्हें अयोग्य घोषित नहीं कर सकती।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेईएन भर्ती पेपर लीक में आरोपी जगदीश विश्नोई को जमानत मिली

जयपुर, 10 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी आरोपी का क्रिमिनल बैकग्राउंड उसकी जमानत याचिका को खारिज करने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। इसके साथ ही अदालत ने जेईएन भर्ती, 2020 पेपर लीक मामले में आरोपी जगदीश विश्नोई को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश जगदीश विश्नोई की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि हालांकि याचिकाकर्ता को कई आपराधिक मामलों में शामिल पाया गया है, लेकिन इस मामले में उसके खिलाफ

- **हाई कोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी का क्रिमिनल बैकग्राउण्ड उसकी जमानत याचिका खारिज करने का एकमात्र कारण नहीं हो सकता।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गाँधी व खड़गे ने फर्जी वोटर लिस्ट का मामला पुरजोर ढंग से उठाया संसद में

दोनों ने मांग की कि, एक पूरा दिन संसद का बाकी काम रोककर, दिनभर इस मुद्दे पर गम्भीर चर्चा होनी चाहिए सदन में

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मार्च। संसद के दोनों सदनों के नेता-राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज माँग की कि मतदाता सूची में कथित विसंगतियों पर संसद में विस्तृत चर्चा कराई जाये।

राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये, खड़गे ने माँग की कि सदन का सभी सूचीबद्ध कार्य आज निलम्बित कर दिया जाये तथा मतदाता सूची में वोटर आईडी के प्रकाशन पर चर्चा की जाये।

लोकसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुये, राहुल गांधी ने कहा, ''पूरे देश में मतदाता सूची पर सवाल उठ रहे हैं। महाराष्ट्र के मतदाताओं की काली और सफेद सूची के बारे में सवाल खड़े किये जा रहे हैं। संपूर्ण विपक्ष एक स्वर में कह रहा है कि मतदाता सूची पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिये।''

बाद में, खड़गे ने कहा कि पूरा विपक्ष उन संदेहों पर विस्तृत चर्चा चाहता है, जो मतदाता सूची की विभिन्न विसंगतियों के बारे में पैदा हुये हैं। संसद को चाहिये कि वह लोकतंत्र और संविधान में लोगों की आस्था की रक्षा करे।

इलैक्शन फोटो आइडेन्टिटी कार्ड (ईपीआईसी) में डुप्लीकेशन पर इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) द्वारा जारी किये गये बयान का हवाला देते हुये, उन्होंने कहा, ''2 मार्च 2025 की अपनी प्रैस विज्ञप्ति के अनुसार, ईसीआई ने देश के इलैक्ट्रोरल रिकॉर्ड्स में विसंगतियों को स्वयं स्वीकार किया है। सभी राज्यों में ईपीआईसी में बड़े पैमाने पर डुप्लीकेशन है। यह चीज मतदाता की सत्यनिष्ठा तथा चुनाव प्रक्रिया को कमज़ोर करती है।''

खड़गे ने कहा, ''कांग्रेस इस मुद्दे को पहले भी उठा चुकी है कि लोकसभा तथा विधानसभा चुनावों के बीच की मात्र छः माह की अवधि में, महाराष्ट्र में लाखों मतदाता एकाएक बढ़ गये। ईसीआई ने अभी तक हमारी उस माँग का जवाब नहीं दिया कि हमें एक्सल फॉर्मेट में उस मतदाता सूची की समग्र फोटो प्रति उपलब्ध कराई जाये, जो मतदान के समय काम में आई थी।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने जोर देते हुये कहा कि ''मतदाताओं के नाम एकाएक तथा अकारण हटाया जाना, डुप्लीकेट ईपीआईसी नम्बरों की मौजूदगी तथा ऐसे ही अन्य संगीन मुद्दे हमारी चुनाव प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा को प्रभावित कर रहे हैं तथा इन पर तुरन्त ध्यान देने तथा संसद में चर्चा कराये जाने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर हुई ये अनियमिततायें चुनावों के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष आयोजन के लिये खतरा हैं तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के लिये यह अत्यावश्यक है कि संसद में इस मामले पर विस्तृत चर्चा कराये।

राहुल गांधी ने कहा, ''महाराष्ट्र की मतदाता सूची में अनियमितताओं के संबंध में मेरी प्रैस कॉन्फ्रैंस को हुये एक महीने से ज्यादा समय हो गया। लेकिन जो माँग हमने ईसीआई से की थीं, वे अभी पूरी नहीं हुई हैं। आज भी वे प्रश्न उसी रूप में बने हुये हैं। अब मतदाता

- **इस बात पर संशय जताया गया, कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव के बीच अचानक लाखों वोटर कैसे बढ़ गये। तथा, अभी तक चुनाव आयोग ने, जिस वोटर लिस्ट से चुनाव कराये गये हैं, उसकी प्रतिलिपि क्यों उपलब्ध नहीं कराई है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टैंकर-जीप टक्कर में 9 मरे और 12 घायल

सीधी, 10 मार्च। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में टैंकर और जीप की टक्कर में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 12 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है।

हादसा कोतवाली थाना इलाके में हुआ। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। घायलों में 6 बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया- राजमणि साहू अपनी बेटी का

- **मध्य प्रदेश के सीधी जिले में हुए हादसे में 8 की मौत तो मौके पर ही हो गई, एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया तथा 12 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस की अटपटी स्थिति हो रही है, स्टालिन के ''हिन्दी विरोधी'' उद्गारों से

एक राष्ट्रीय पार्टी होने के कारण, स्टालिन के हिन्दी विरोधी आंदोलन का समर्थन करती नहीं दिख सकती

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मार्च। अब यह स्पष्ट है कि केन्द्र व तमिलनाडु के बीच त्रिभाषा फॉर्मूला के मुद्दे पर जंग बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। यही नहीं, राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे, प्रस्तावित परिसीमन पर विपक्ष शासित राज्यों को एकजुट करना शुरु कर दिया है, जिससे कांग्रेस की स्थिति अटपटी हो गई है।

कांग्रेस एक अखिल भारतीय पार्टी है, इसलिए भाषा के मुद्दे पर वह कठोर रुख नहीं अपना सकती है, जैसा कि तमिलनाडु में इसकी सहयोगी पार्टी द्रमुक ने अपना रखा है, जिसने हिंदी थोपे जाने के डर से त्रिभाषा फॉर्मूला को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

असल में यह कांग्रेस ही थी, जिसने सबसे पहले 60 के दशक में हिंदी लागू करने का प्रयास किया था और इसकी भारी कीमत चुकाई थी, तब राज्य में हिंदी विरोधी आंदोलन हुआ था, जिसमें कई तमिलों की जान गई थी, पर, इसने राज्य से कांग्रेस को भी उखाड़ फेंका था। उसके बाद यह कभी भी सत्ता में नहीं आ सकी।

आज इसे कुछ लोकसभा सीटों के लिए कभी द्रमुक तो कभी अन्नाद्रमुक का दामन थामना पड़ता है। राज्य में कांग्रेस, द्रमुक तथा अन्नाद्रमुक दोनों के साथ गठबंधन कर चुकी है। अभी कांग्रेस का गठबंधन द्रमुक के साथ है, जो यूपीए में भी सहयोगी पार्टी रही है। दोनों दलों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा, पर कांग्रेस तमिलनाडु सरकार में शामिल नहीं है।

तमिलनाडु के कांग्रेस नेता जैसे कार्ति चिदम्बरम आदि तमिलनाडु सरकार के द्विभाषा फॉर्मूला का पूर्व समर्थन करते है और वे परिसीमन पर भी द्रमुक के साथ हैं। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी किस ओर झुकेगी।

कांग्रेस उत्तर भारत में बुरी तरह से कमज़ोर हो चुकी है। द्रमुक को समर्थन देने की मजबूरी इसकी स्थिति को और कमज़ोर कर सकती है। देशभर में तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं। इनमें से दो राज्य दक्षिण भारतीय हैं। दोनों ही अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति से अलग होने पर विचार कर रहे हैं और उनका रुख भाषा मुद्दे पर तमिलों का समर्थन है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवंत रेड्डी ने भाषा के मसले पर बोलना शुरु कर दिया है। एक न्यूज़ चैनल पर उन्होंने कहा कि ''हम किसी भी भाषा, जिसमें हिंदी भी है, को जबर्दस्ती थोपने का

- **जैसा कि विदित ही है, 1960 के दशक में कांग्रेस ने तमिलनाडु में हिन्दी ''लादने'' की चेष्टा की, जिसका उसे भारी खामियाज़ा उठाना पड़ा था व हिन्दी विरोधी आंदोलन के कारण, कांग्रेस को तमिलनाडु में सत्ता खोनी पड़ी थी। उसके बाद, आज तक कांग्रेस दोबारा तमिलनाडु सत्ता में नहीं आ पाई है।**
- **अतः कांग्रेस के लिये, अब हिन्दी विरोधी आंदोलन का समर्थन करना संभव नहीं हो रहा। तेलंगाना के कांग्रेस के मु.मंत्री व रेड्डी यह कह कर बच रहे हैं कि वे किसी भाषा को जबरन लादने के खिलाफ हैं। तमिलनाडु के स्थानीय नेता जैसे कार्ती चिदम्बरम आदि, हालांकि, अपने स्तर पर स्टालिन के हिन्दी ''लादने'' के विरूद्ध चलाये जा रहे आंदोलन का पूर्ण समर्थन कर रहे हैं।**
- **साउथ इंडिया में ''डीलिमिटेशन'' के विरूद्ध चल रहे आंदोलन के बारे में भी कांग्रेस की अटपटी स्थिति है। अगर ''डीलिमिटेशन'' का विरोध करती है पार्टी, तो उत्तर भारत में मैसेज ठीक नहीं जाता और अगर समर्थन करती है तो साउथ इंडिया में कांग्रेस मुख्यधारा से कट जाती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोचिंग सैन्टर विद्यार्थियों की आत्महत्याओं के मामले की सुनवाई 2 सप्ताह बाद

जयपुर, 10 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट को राज्य सरकार ने आश्वस्त किया है कि कोचिंग सेंटरों को नियंत्रित करने के लिए विधानसभा में इसी सत्र में बिल पेश किया जाएगा। महाधिवक्ता के बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए, अदालत ने मामले में सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाल दी है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश

- **महाधिवक्ता ने हाई कोर्ट को जानकारी दी कि कोचिंग सैन्टर नियामक बिल विधानसभा के इसी सत्र में आएगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख : अजमेर में आनासागर क्षेत्र में हुए निर्माणों पर कार्रवाई

नगर निगम ने फूड कोर्ट में फर्श और गांधी स्मृति उद्यान में बने पाथ-वे पर जेसीबी चलाई

अजमेर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद सोमवार को स्थानीय प्रशासन हरकत में आ गया। वेटलैंड स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत करोड़ों रुपए की लागत से बने सेवन वंडर पार्क से क्रेन की मदद से स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को हटाना शुरू कर दिया है। इससे पहले नगर निगम ने फूड कोर्ट में फर्श और गांधी स्मृति उद्यान में बने पाथ-वे पर जेसीबी का पीला पंजा चला। यहां उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार व जिला प्रशासन से सवाल किया था कि आनासागर झील के भराव क्षेत्र में हुए अतिक्रमणों को अब तक क्यों नहीं हटाया गया। 9 मार्च को सेवन वंडर पार्क के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया, जिससे पर्यटकों का प्रवेश बंद हो गया था।

सेवन वंडर पार्क से क्रेन की मदद से स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को हटाया।

- सेवन वंडर पार्क बंद हुआ, क्रेन की मदद से स्टेच्यू को हटाया

फूड कोर्ट व गांधी स्मृति उद्यान पर जेसीबी चली :-स्मार्ट सिटी योजना के तहत अजमेर में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की गईं,लेकिन अधिकाशं प्रोजेक्ट सवालों के घेरे में हैं। सेवन वंडर से पहले ऋषि उद्यान के पीछे और आनासागर झील किनारे बना लेक व्यू रेस्टोरेंट और पुष्कर रोड स्थित फूड कोर्ट भी बंद किया गया है। अब निगम प्रशासन द्वारा फूड कोर्ट के फर्श जेसीबी से तोड़ा जा रहा है। निगम अधिकारियों का कहना है कि पक्का फर्श हटाकर घास उगाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि फूड कोर्ट के निर्माण के बाद से यह विवादों में रहा और इसको लेकरभी एनजीटी ने इसके निर्माण पर कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। एनजीटी ने प्रमुख रूप से पटेल स्टेडियम के रिनोवेशन एंड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गांधी स्मृति उद्यान में (बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन), पाथवे के निर्माण पर कड़ी आपत्ति जताई है।

सेवन वंडर को आनासागर झील के भराव क्षेत्र में बनाया गया था, जिसमें ताज महल, झूलती मीनार, एफिल टॉवर सहित सात अजूबा इमारतों प्रतीकों का निर्माण किया गया था। यह पर्यटन स्थल काफी लोकप्रिय हो रहा था। अजमेर विकास प्राधिकरण ने इसके संचालन का ठेका एक नीजीफार्म को 1.3 करोड़ सालाना पर दिया था। लेकिन इसी बीच सामाजिक कार्यकर्ता अशोक मलिक और भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह शेखावत ने इस निर्माण के खिलाफ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में याचिका दायर कर दी। एनजीटी ने आदेश दिया कि आनासागर झील के भराव क्षेत्र में बने सभी अवैध निर्माण हटाए जाएं। सोमवार देर शाम को प्रशासनिक अधिकारियों ने सेवन वंडर से मूर्तिया व निर्माण हटाने शुरू कर दिए।

आनासागर के भराव क्षेत्र में बसी कॉलोनी पर भी संकट के बादल :-सेवन वंडर पर ताले लगने के बाद अब आनासागर के भराव क्षेत्र में बसी आवासीय कॉलोनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी संकट आ सकता है। इससे पहले जिला प्रशासन ने रीजनल कॉलेज के सामने स्थित 60 से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील किया था, जिनमें वृंदावन रेस्टोरेंट और गोविंद समारोह स्थल भी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और सरकार की अपील :-राज्य सरकार ने सेवन वंडर को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की, लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली। उल्टा सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के मुख्य सचिव को 17 मार्च को व्यक्तिगत रूप से तलब कर लिया। इसके बाद पिछले दिनों मुख्य सचिव सुधांश पंत ने अजमेर का दौरा किया और सेवन वंडर को बंद करने के निर्देश दिए गए। अब आवासीय कॉलोनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी संकट सेवन वंडर पर ताले लगने के बाद अब आनासागर के भराव क्षेत्र में बसी आवासीय कॉलोनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी तलवार लटक गई है। इससे पहले प्रशासन ने रीजनल कॉलेज के सामने स्थित 60 से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील किया था, जिनमें वृंदावन रेस्टोरेंट और गोविंद समारोह स्थल भी शामिल हैं।

वर्ष 2014 में तीन शहरों को किया था स्मार्ट सिटी में शामिल :-वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के तीन शहरों को स्मार्ट सिटी में शामिल करने की घोषणा की थी, जिसमें अजमेर भी शामिल था, लेकिन हालात यह हैं कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की योजनाएं धरातल पर सही तरीके से नहीं उतर पाईं। करोड़ों की लागत से बने प्रोजेक्ट अब या तो बंद हो रहे हैं या कानूनी अड़चनों में फंसे हुए हैं।

21 अप्रेल से शुरू होंगे आरएएस भर्ती-2023 के साक्षात्कार

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2023 के साक्षात्कार आगामी 21 अप्रेल से शुरू किए जाएंगे। इस संबंध में विस्तृत कार्यक्रम यथा समय जारी कर दिया जाएगा।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त भर्ती के अन्तर्गत प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम में सफल रहे 19355 अभ्यर्थियों के लिए मुख्य परीक्षा का आयोजन 20 एवं 21 जुलाई 2024 को किया गया था। मुख्य परीक्षा का परिणाम 2 जनवरी 2025 को जारी किया जाकर 2168 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु सफल घोषित किया गया था। इन अभ्यर्थियों के साक्षात्कार का आयोजन निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा। इस संबंध में अभ्यर्थियों को सूचना उपयुक्त माध्यमों से दे दी जाएगी। अद्यतन जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट का समय-समय पर अवलोकन कर सकते हैं।

- प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम में सफल रहे 19355 अभ्यर्थियों के लिए मुख्य परीक्षा का आयोजन 20 एवं 21 जुलाई 2024 को किया गया था

कुल 972 पदों के लिए आयोजित होंगे साक्षात्कार :-उक्त भर्ती का विज्ञापन 28 जून 2023 को जारी किया जाकर कुल 905 पद (राज्य सेवाएं 424 एवं अधीनस्थ सेवाएं 481) के लिए अभ्यर्थियों से 1 जुलाई से 31 जुलाई 2023 तक आवेदन प्राप्त किए गए थे। कार्मिक (क-4/2) विभाग से प्राप्त नवीन वर्गवार वर्गीकरण एवं निर्देशानुसार पदों की कुल संख्या 972 (राज्य सेवाएं 491 एवं अधीनस्थ सेवाएं 481) किए जाने के संबंध में शुद्धि-पत्र संख्या 6/2023-24 19 अक्टूबर 2023 को जारी किया गया था।

6 लाख 96 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के लिए हुआ था प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन :- भर्ती अन्तर्गत कुल पंजीकृत 6 लाख 96 हजार 969 अभ्यर्थियों हेतु प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 1 अक्टूबर 2023 को प्रात: 11 से दोपहर 2 बजे तक किया गया। परीक्षा में कुल 4 लाख 57 हजार 927 अभ्यर्थी उपस्थित हुए थे। परीक्षा समाप्ति उपरांत आयोग द्वारा सायंकाल मॉडल उत्तरकुंजी जारी की गई। इस मॉडल उत्तरकुंजी पर 2 अक्टूबर से 4 अक्टूबर 2023 तक परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आपत्तियां आमंत्रित की गई थी। प्राप्त आपत्तियों के परीक्षण उपरांत 20 अक्टूबर 2023 को आरएएस (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 का परिणाम जारी किया गया था।

नकलची पकड़ा

अजमेर, (कासं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सेकण्डरी और सीनियर सेकण्डरी की परीक्षाएं जारी है। सोमवार को उच्च माध्यमिक अंग्रेजी विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। बोर्ड ने जोधपुर में एक परीक्षार्थी को नकल करते पकड़ा है। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि सोमवार को उच्च माध्यमिक अंग्रेजी अनिवार्य विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। वीक्षकों ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सालवा कलां जोधपुर परीक्षा केन्द्र पर एक परीक्षार्थी को नकल करते पकड़ा है। वह पासबुक के दो पन्ने अपने साथ लाया था।

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, प्रतापनगर, उदयपुर
(विशाल पेट्रोल पम्प के सामने जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण परिसर)
क्रमांक:एफ()/निविदा/PMKSY 2.0/2024-25/7153 दिनांक:03/03/2025
ई निविदा सूचना 78-80/2024-25
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत ब्लॉक सलुम्बर, झल्लारा एवं जयसमंद जिला सलुम्बर (3 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्य (एनआरएम मद) के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 233.27 लाख रुपये दिनांक 17.03.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती है। बोलियों से संबन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते है।
यूबीएन संख्या-WSC2425WSOB01301, WSC2425WSOB01302, WSC2425WSOB01303
अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर प्रतापनगर, उदयपुर
DIPR/C/3281/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर
मचकुण्ड चौराहा जीएटी0रोड धौलपुर, फोन नं0 05642-220728 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांक-2916-23 **ई-निविदा सूचना संख्या 60-63/2024-25** दिनांक-28.02.2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यों की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकते है।

एन.आई.बी.नं.	NIB NO. PHE2415A5021
यू.वी.एन.	PHE2425WSOB010787
यू.वी.एन.	PHE2425WSOB010788
यू.वी.एन.	PHE2425WSOB010789
यू.वी.एन.	PHE2425WSOB010790

(आशाराम मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा0 अभि0 विभाग,
खण्ड धौलपुर
DIPR/C/3280/2025

Office Executive Engineer Water Resources Division Khajuwala
No.:-Acctt/ NIB 04/2024-25/3117 Dated:-5/3/2025
Notice Inviting Bid
(NIB Code WRN2425A0071)
Bid for the Reconstruction of Various Water Courses at Anoopgarh Branch IGNP estimated cost Rs 29.19 to 67.58 Lacs of invited from prospective bidders upto 17.03.2025 at 6.00 PM. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, of the state and www.water.rajasthan.gov.indepartmental website.
UBN No- WRN2425WSOB00265, WRN2425WSOB00266, WRN2425WSOB00267 WRN2425WSOB00268, WRN2425WSOB00269, WRN2425WSOB00270 WRN2425WSOB00271, WRN2425WSOB00272, WRN2425WSOB00273 WRN2425WSOB00274
(Nitish Kumar Nagar)
Executive Engineer
Water resources Division Khajuwala
DIPR/C/3361/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय-राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करौली
मण्डरायल रोड, करौली, राजस्थान (322241)
Email ID:- gmckarauli@gmail.com Telephone No.-07464294340
क्रमांक-जी.एम.सी./करौली/2025/315 दिनांक-05.03.2025
NIB No. 01/2024-25)
Sealed Single Stage Two - envelopes and unconditional online Bids for Rate contract for One year to provide "Skilled And Highly skilled manpower for Government Medical College, Karauli are invited from interested bidders upto 27.03.2025 at 04.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 200 lakh.
UBN NO. MES2425SLOBO0130
Principal
Government Medical College, Karauli
DIPR/C/3353/2025

राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ लि0
"जनजाति विकास भवन" उदयपुर, दूरभाष 0294- 2491740, ई-मेल rtadcf.tad@rajasthan.gov.in
एफ ( )राजससंघ/संस्थापन/2024-2025/2115 दिनांक :- 06/03/2025
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
राजससंघ के विभिन्न कार्यालयों में प्लेसमेंट एजेन्सी के माध्यम से निश्चित कार्य एवं निश्चित योजनाओं के लिए आवश्यकतानुसार मानव संसाधन की सेवाऐं लिये जाने के संबंध मे दिनांक 07.03.2025 को सायं 5.00 बजे से दिनांक 25.03.2025 को सायं 6.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त ई-निविदा संबंधी विस्तृत नियम एवं शर्तें वेबसाईट http://eproc.rajasthan/gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है। UBN : TCF2425SLOB00001
राज.संवाद/सी/24/12905 महाप्रबन्धक

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/273 - 275 Date : 04/03/2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 75/2024-25
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 545.15 लाख (13 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	06.03.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.03.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	06.03.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.03.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	18.03.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2425WSOB00493 To ITU2425WSOB00505
अधिशाषी अभियन्ता - द्वितीय
उदयपुर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/24/12883

कार्यालय अधिशाषी अभियंता,
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल
E-mail : eephi.jal.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांक-खण्ड/भीनमाल/निविदा/ /2024-25/3191-98 दिनांक-19/2/25
बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 37-43/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 वियम 334 (ए) (iii) के तहत रु. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी दिभाग में पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, रेल, ढाक, दूर संचार विभागों मे उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन विड आमंत्रित की जाती है:-

बिड संख्या	NIB No.	अनुमानित लागत (लाखो में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
37/2024-25	PHE2425 WSRC10294	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
38/2024-25	PHE2425 WSRC10297	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
39/2024-25	PHE2425 WSRC10298	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
40/2024-25	PHE2425 WSRC10299	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
41/2024-25	PHE2425 WSRC10301	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
42/2024-25	PHE2425 WSRC10302	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
43/2024-25	PHE2425 WSRC10303	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि				21.02.2025		
ऑनलाईन बिड डाउनलोड/अपलोड करने की अन्तिम तिथि				11.03.2025 को 6.00 पी.एम.		
ऑनलाईन बिड खोलने की तिथि				12.03.2025 को 2.00 पी.एम.		

बिड से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
(हेमन्त कुमार वैष्णव) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड भीनमाल
DIPR/C/3542/2025

सूचना उपलब्ध नहीं कराने पर पांच हजार का जुर्माना लगाया

राज्य सूचना आयुक्त ने जेएनवीयू कुल सचिव पर जुर्माना लगाया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी (जेएनवीयू) के कुल सचिव द्वारा आरटीआई के तहत सूचना उपलब्ध नहीं कराने के एक मामले में राज्य सूचना आयुक्त महेंद्र कुमार पारख ने कुल सचिव पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। यह राशि कुल सचिव के वेतन से काटकर आयोग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। एक व्यक्ति ने वर्ष 2019 में सूचना के अधिकार कानून के तहत आवेदन कर कुछ सूचनाएं चाही थी। ये सूचनाएं नहीं मिलने पर एक्टिविस्ट ने अपील की थी।

जानकारी के अनुसार बाड़मेर के चौहटन निवासी जगदीश विश्नोई ने 4 दिसंबर 2019 को जेएनवीयू से आरटीआई के तहत सूचनाएं मांगी थी। तय समय सीमा में सूचना उपलब्ध नहीं होने पर विश्नोई ने द्वितीय अपील की, तब परिवादी के पक्ष में 24 जून 2023 को फैसला हुआ। इसके बाद भी परिवादी को सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। तब परिवादी ने राज्य सूचना आयोग के समक्ष अपील दायर की गई। इस पर 9 अक्टूबर 2024 को राज्य सूचना आयुक्त की ओर से संबंधित पक्ष को नोटिस जारी किया गया। इसके जवाब में जेएनवीयू की ओर से अवगत कराया गया कि परिवादी को अभिलेख के अवलोकन हेतु आमंत्रित किया गया था, लेकिन परिवादी उपस्थित नहीं हुआ।

- यह राशि कुल सचिव के वेतन से काटकर आयोग को भेजने के निर्देश दिए

वहीं, द्वितीय अपील के आयोग के 24 जून 2023 के निर्णय से ही स्पष्ट हुआ कि अभिलेख के अवलोकन के संबंध में प्रत्यर्थी को कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। बल्कि द्वितीय अपील में परिवादी द्वारा वांछित सूचना तृतीय पक्ष से संबंधित होने के प्रत्यर्थी के विनिश्चय को अस्वीकार करते हुए प्रत्यर्थी को सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। प्रत्यर्थी के प्रतिनिधि के अनुसार परिवादी को कोई सूचना उपलब्ध नहीं करवाई गई है और न ही कोई लिखित या औपचारिक प्रत्युत्तर ही प्रस्तुत किया गया है। आयोग द्वारा प्रत्यर्थी को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत 10 अक्टूबर 2024 को नोटिस जारी किया गया। नोटिसों के बावजूद प्रत्यर्थी पक्ष द्वारा आयोग में कोई परिवादोत्तर प्रस्तुत नहीं किया और ना ही आयोग के निर्णय की पालना ही की गई। आयोग ने इसे आईटीआई कानून के प्रति लापरवाही माना और इसके लिए जेएनवीयू के राज्य सूचना अधिकारी को दोषी मानते हुए पांच हजार रुपए की शास्ति अधिरोपित करने के आदेश दिए। यह राशि प्रत्यर्थी के वेतन से काटकर यह राशि डिमांड ड्राफ्ट के जरिए राजस्थान राज्य सूचना आयोग के नाम 30 दिन में भेजने के आदेश दिए हैं।

युवक ने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के नागौरी गेट क्षेत्र शिफत हुसैन कॉलोनी में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी मां का आरोप है पुत्रवधु उसे तंग और परेशान करती थी। उसके पुत्र ने छह महिने पहले ही इस लड़की से प्रेम विवाह किया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया है। मृतक की मां ने पुत्रवधु और उसके परिजन पर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का आरोप लगाते हुए नागौरी गेट थाने में रिपोर्ट दी है। अब इसमें अग्रिम जांच की जा रही है।

- मां का आरोप है पुत्रवधु उसे तंग और परेशान करती थी
- युवक ने छह महिने पहले ही प्रेम विवाह किया था

नागौरी गेट पुलिस ने बताया कि बम्बा मौहल्ला निवासी बानो पुत्री मोहम्मद इकबाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। मामले के अनुसार उसके एक पुत्र और दो पुत्रियां है। उसके पुत्र सिकंदर ने तकरीबन छह-सात महिने पहले एक लड़की से प्रेम प्रसंग के चलते शादी की थी। शादी के कुछ समय तक तो लड़की उसके परिवार के साथ रही लेकिन बाद में वो उसके पुत्र को दूसरे घर में रहने को लेकर विवाद करने लगी थी। बाद में पुत्र और पुत्रवधु शिफत हुसैन कॉलोनी में अलग रहने लगे। यहां वे किराए पर रहने लगे। मगर लड़की और उसके परिजन सिकंदर को तंग और परेशान करते थे, जिसके चलते रविवार को सिकंदर ने घर में फंदा लगा लिया। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया है। मृतक की मां की रिपोर्ट पर अब पुलिस ने जांच आरंभ की है। थानाधिकारी सैफाली सांखला तफ्तीश कर रही है।

मंडी व्यापारी की कार का कांच तोड़कर बैग चुराया

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा स्थित सत्संग भवन के पास में मंडोर कृषि मंडी व्यापारी की कार का कांच फोड़कर एक बदमाश बैग चोरी कर ले गया। बैग में जरूरी दस्तावेजों के साथ 63 हजार की नगदी थी। पीड़ित की तरफ से इस बारे में सरदारपुरा थाने में रिपोर्ट दी गई है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से शातिर की पहचान कर तलाश में जुटी है। मामले के अनुसार पाल रोड स्थित सुभाष विहार शास्त्री नगर निवासी अभिषेक फोफलिया पुत्र बालकिशन फोफलिया ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह मंडोर कृषि मंडी में दुकान चलाता है। 8 मार्च की शाम साढ़े पांच बजे वह दुकान से अपनी कार लेकर निकला था। बाद में वह छह बजे के आसपास सरदारपुरा सत्संग भवन पहुंचा। यहां पर सत्संग भवन में वह रात पौने 11 बजे तक रूका रहा।

आत्महत्या करने के लिए रेलवे ट्रेक पर बैठे व्यक्ति को बचाया

निवाई, (निसं)। सदर पुलिस ने आत्महत्या करने जा रहे एक व्यक्ति को बचाया है। थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम जयपुर से हैड कांनि. रामबिलास द्वारा सूचना दी गई कि एक व्यक्ति आत्महत्या करने के लिए रेलवे ट्रेक पर बैठा है।

- ऑनलाइन गेम में 45 हजार हारने से अवसाद में था

उन्होंने बताया कि उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी के निर्देशन एवं डीवाईएसपी मृत्युजंय मिश्रा के सुपरविजन में थानाधिकारी हीरालाल वर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम द्वारा उक्त व्यक्ति की लोकेशन लेते हुए मोबाइल की लोकेशन के आधार पर तत्परता से चैनपुरा रेलवे फाटक निवाई पहुंचकर रेलवे ट्रैक पर बैठे हुए व्यक्ति को सवाईमाधोपुर से जयपुर की तरफ जा रही ट्रेन दयोदया एक्सप्रेस के आने से पूर्व रेलवे ट्रैक से उठाकर आत्महत्या करने से बचा लिया। उक्त व्यक्ति से आत्महत्या की धमकी देने का कारण पूछा तो उसने ऑनलाइन गेम में करीब 45 हजार रूपए हारने से अवसाद में आकर अपने घरवालों को आत्महत्या करने की धमकी देना बताया। पुलिस ने उक्त व्यक्ति को उसके घरवालों को सौंप दिया। थानाधिकारी वर्मा ने बताया कि उक्त व्यक्ति का गुप्त रखा गया है।

गैंगरेप और ब्लैकमेल की घटनाओं के विरोध में भीलवाड़ा बंद रहा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली और प्रतापनगर थाना क्षेत्र व विजयनगर में हुए गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं के विरोध में संतों के आव्हान पर सोमवार को भीलवाड़ा बंद रहा। बंद का असर शहर के प्रमुख बाजारों में नजर आया। सुबह से ही शहर की सभी दुकानें पूर्णतया बंद रही और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा।

बंद के चलते सुबह 11:30 बजे दूधाधारी गोपाल मंदिर से महाआक्रोश रैली रवाना हुई। यह शहर के मुख्य मार्ग यह बड़ा मंदिर, भीमगंज थाना, गोल प्याऊ चौराहा होते हुए स्टेशन चौराहा, मशीनरी मार्केट, आजाद चौक से गुजरते हुए दोपहर दो बजे बजरंगी चौराहा पहुंची, जहां महा आक्रोश सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान लव जिहाद, गैंगरेप और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बंद के चलते पुलिस की ओर से संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनात किया गया। वहीं प्रमुख चौराहों के साथ बाजारों में पुख्ता सुरक्षा रही। शहर में बंद को सफल बनाने के लिए सात पाइंट बनाए गए। इसके तहत सात तय स्थानों पर संगठन के पदाधिकारी जुटे। इनमें नीलकंठ महादेव मंदिर शास्त्री नगर, दूधाधारी गोपाल मंदिर सांगानेरी गेट, टेम्पो स्टैंड सांगानेर, खेड़ाखुट मंदिर संजय कॉलोनी, छोटी पुलिया चौराहा सुभाष नगर, मालोला चौराहा, कुंभा सर्किल, चंद्रशेखर आजाद नगर और पांसल चौराहा शामिल थे। बंद को व्यापार मंडल और मेडिकल एसोसिएशन ने भी समर्थन दिया। यही नहीं कृषि मंडी, इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन और जिला बार एसोसिएशन के साथ व्यापारी एसोसिएशन ने भी बंद को समर्थन दिया है। इस बीच भारतीय मजदूर संघ की जिला इकाई ने भी बंद को समर्थन देने का ऐलान किया। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने भी बंद को समर्थन दिया।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि बंद को लेकर शहर में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। शहर के प्रमुख चौराहों पर फिक्स पॉइंट बनाए गए हैं, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती किया गया। साथ ही वज्र वाहन, फायर और एंबुलेंस को भी अलर्ट मोड पर रखा गया। इसके अलावा जवानों की स्पेशल फोर्स शहर के संवेदनशील एरिया में तैनात की गई।

गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं के विरोध में भीलवाड़ा में महाआक्रोश रैली निकाली।

- बंद के चलते पुलिस की ओर से संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनात किया गया था
- शहर के कोतवाली और प्रतापनगर थाना क्षेत्र व विजयनगर में हुए गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं के विरोध में महाआक्रोश रैली निकाली

चोरी की छह बाइक बरामद, तीन गिरफ्तार

पाली, (नि.सं.)। पाली पुलिस ने तीन शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिना नंबर की बाइक के साथ नाकाबंदी के दौरान पकड़े गए। पूछताछ की तो घबरा गए और बाइक चोरी की होना बताया। इस पर पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ की तो छह बाइक चोरी की वारदातें करना स्वीकार की। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर पाली शहर के बांडी नदी में छुपाई गई चोरी की दह बाइक बरामद की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कोतवाल अनिल विश्नोई ने बताया कि पाली जिले के सिरियारी थाने के फुलाद रोड जोजावर निवासी रतनलाल पुत्र तुलसाराम, नागौर जिले के चम्पापुर मेडास की ढाणी थांवला निवासी दिलीपसिंह पुत्र जीवनसिंह और ब्यावर जिला निवासी कंकीन्दरा (आनंदपुर कालू) निवासी घेवरराम पुत्र जालाराम को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को नाकाबंदी के दौरान पाली शहर के कवाड़ सर्किल पर बिना नंबर की बाइक के साथ पकड़ा था। पूछताछ में इन्होंने बाइक चोरी की होना बताया। इनकी निशानदेही पर पाली शहर के गुरलाई मार्ग की तरफ बांडी नदी में झाड़ियों में छुपाकर रखी चोरी की 6 बाइक बरामद की।

शुष्क क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनाओं पर किसानों को प्रशिक्षण

बीकानेर, (कासं)। शुष्क क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनाओं के संबंध में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग सभागार में आयोजित प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और भूमि संरक्षण के साथ-साथ भूजल स्तर बढ़ाने में बांस का पौधा प्रकृति की अनुपम देन है। शुष्क क्षेत्र में बांस की संभावनाओं पर काम करने के लिए केन्द्र सरकार के कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा प्रायोजित इस प्रोजेक्ट के तहत यहां के वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आजीविका के नए आयाम विकसित करने के साथ-साथ बांस का पौधा पर्यावरण संरक्षण के लिए भी उपयोगी है। विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने, न्यूनतम लागत में अधिकतम लाभ और कृषि तकनीक हस्तांतरण की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। बांस खेती प्रोजेक्ट के तहत किसानों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 10-10 पौधे दिए जायेंगे। विश्वविद्यालय वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में कृषक इन पौधों की निगरानी करें और मिलने वाले परिणाम के संबंध में विश्वविद्यालय को अवगत करवाएं।

तीन-जी-शुष्क क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनाओं पर कृषक प्रशिक्षण को राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरूण कुमार सिंह ने संबोधित किया।

- केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा विश्वविद्यालय के अधीन 47 लाख रूपए की परियोजना स्वीकृत की
- बांस खेती प्रोजेक्ट के तहत किसानों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 10-10 पौधे दिए जायेंगे

वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने कहा कि खेती के नवाचार बदलते समय की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्र में टनल तकनीक खजूर की खेती से कम पानी के बावजूद अच्छी उपज प्राप्त करने का एक बेहतरीन उदाहरण है। बांस प्रोजेक्ट के माध्यम से भी यही प्रयास किया जा किया जा रहा है। बांस का पौधा इकोसिस्टम को संतुलित रखने, माइक्रो क्लाइमेट जनरेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पानी और भूमि को बचाना कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के समक्ष एक बड़ी चुनौती है ऐसे में नवाचारों का फायदा किसानों को मिले इस दिशा में विशेष प्रयास हों।

निदेशक अनुसंधान डॉ विजय प्रकाश ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत 6 ऐसी किस्मों का चयन किया गया है जो यहां के शुष्क वातावरण में फिजीबिलिटी दिखा रही है। बांस का पौधा फर्नीचर, कागज उद्योग के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन को रोकने में भी अहम भूमिका निभाता है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता तथा परियोजना प्रभारी डॉ पी. के. यादव ने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा विश्वविद्यालय के अधीन 47 लाख रूपए की परियोजना स्वीकृत की गई है। इस परियोजना के तहत बांस की विभिन्न किस्मों का शुष्क मरूस्थलीय परिस्थितियों में खेती पर अनुसंधान किया जा रहा है। इसके तहत एक विशेष एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें 10 गांवों से 25 किसानों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

अधिष्ठाता मानव संसाधन विभाग डॉ दीपाली धवन ने उपस्थित किसानों और अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के इंजीनियर जे. के. गौड़, डॉ नीना सरीन, डॉ निर्मल सिंह दहिया सहित अन्य निदेशक, अधिष्ठाता तथा किसान उपस्थित थे। प्रशिक्षण में आये किसानों ने वैज्ञानिकों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाएं रखी। जितेन्द्र कुमार गौड़ ने बूंद बूंद सिंचाई पर विशेष व्याख्यान दिया गया।

वहीं राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के पशु आपदा प्रबंधन तकनीकी केन्द्र एवं राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'सतत बकरी पालन के लिए क्षमता निर्माण: कौशल और ज्ञान संवर्धन' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को शुरू हुआ।

प्रेक्षा ध्यान शिविर

बीकानेर,(कासं)। आचार्य तुलसी समाधी स्थल पर एक दिवसीय आवासीय प्रेक्षा ध्यान शिविर का आयोजन उग्र विहारी तपो मूर्ति मुनि कमल कुमार के सानिध्य में आयोजित किया गया।

सुबह 6:00 से रात 8:30 तक प्रेक्षा ध्यान के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्रशिक्षक संजू लालाणी व धीरेंद्र बोथरा द्वारा आसन, प्राणायाम, कायोत्सर्ग व ध्यान के विभिन्न प्रयोग कराये गए। इस शिविर में 71 शिविरार्थियों ने पूरी तन्मयता से भाग लिया। सभी शिविरार्थियों ने साधना काल में मुनि श्री की प्रेरणा से समय का उपयोग किया। मुनिश्री ने सभी शिविरार्थियों को अपने उद्बोधन में अपने शरीर को स्वस्थ रखते हुए आत्मा को परमात्मा कैसे बनाया जाए। इसके लिए संयम के साथ अपने कार्य करते हुए तप, जप और ध्यान करने की प्रेरणा दी।

भोगवादी प्रवृत्ति से दूर रहकर तप, संयम से अपने जीवन को सार्थक बनाने की प्रेरणा दी। शिविर में जो कुछ सिखाया जाता है, उसको घर पर भी निरंतर चालू रखने की प्रेरणा दी। निरन्तरता होगी तभी लोगों की शिविर में आने की सार्थकता सिद्ध होगी। इस शिविर में 500 से अधिक ने भाग लिया। इंद्रचंद सेठिया ने सहिष्णुता के बारे में बताया। संसार में एक शक्ति है तो वह है सहिष्णुता जो प्रेक्षा ध्यान से पल्लवित होती है। सुरेन्द्र भूरा ने वर्षीतप का संकल्प लिया और 3 महीने मिठाई का त्याग किया। मोनिका ने कहा कि ध्यान से भेद विज्ञान का अनुभव हुआ।

सार-समाचार

पशु चिकित्साकारियों को प्रशिक्षण

पशुचिकित्सा अधिकारियों को पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित प्रबंधन और निस्तारण का प्रशिक्षण दिया।

बीकानेर, (कासं)। पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट निस्तारण तकनीकी केन्द्र, राजुवास बीकानेर द्वारा पशुपालन विभाग के बीकानेर एवं चूरू जिले के पशु चिकित्सा अधिकारियों को पशु जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित प्रबंधन और निस्तारण विषय पर सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए केन्द्र की प्रमुख अन्वेषक डॉ. दीपिका धूड़िया ने कहा कि जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित निस्तारण एवं प्रबंधन के प्रति जागरूकता चिकित्सकीय कार्य करने वाले चिकित्सा अधिकारियों में होना अत्यंत आवश्यक है। जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट आज के समय विश्व की बड़ी समस्या है तथा इसके उचित निस्तारण में जरा सी लापरवाही बहुत से रोगों को बढ़ावा दे सकती है तथा वातावरण को प्रदूषित कर सकती है। डॉ. देवेन्द्र चौधरी ने प्रशिक्षणार्थियों को जैव चिकित्सकीय अपशिष्ट के उचित निस्तारण के नियम और प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. एवं प्रशिक्षणार्थियों को बायोमेडिकल अवशेष के उचित निस्तारण पर व्याख्यान व प्रायोगिक ज्ञान प्रदान किया। प्रशिक्षण के समापन पर डॉ. गीता बेनीवाल, अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, बीकानेर एवं निदेशक अनुसंधान, राजुवास प्रो. बी.एन. श्रृंगी के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

राधा-कृष्ण पर फूलों की बारिश

कल्ला कोठी में फागोत्सव में श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण को फूलों की होली खेलाई।

बीकानेर, (कासं)। देवीकुंड सागर स्थित कल्ला कोठी में चल रही रासलीला के सातवें दिन फाग उत्सव का आयोजन किया गया। वृन्दावन से आये कलाकारों ने मंच पर बृज की प्रसिद्ध होली फाग महोत्सव का मनमोहक मंचन किया। फाग महोत्सव में राधा कृष्ण को फूलों की होली खेलाई गई। कैलाश आचार्य ने बताया इस आयोजन के लिए दो क्विंटल फूल मंगवाए गए थे। रासलीला में कृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का मंचन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों ने राधा कृष्ण को फूलों की होली खिलाई। श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण पर फूलों की बारिश की। इस दौरान रंग-बिरंगे परिधान में श्री कृष्ण ने राधा व गोपियों के साथ रास रचाया। मनमोहक नृत्य के साथ बरसाने की होली खेली गई। भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने फूलों की बारिश की। पूरा पंडाल राधे कृष्ण के जयकारे से से गूंज उठा। रासलीला में सप्ताह भर से कृष्ण जन्म, गोवर्धन लीला, माखन चोरी, सुदामा मिलन, कंस वध सहित अन्य लीलाओं का मंचन किया गया। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सजीव मंचन देख श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

गर्भवती महिलाएं सोनोग्राफी के लिए 300 मीटर चलने को मजबूर !

बीकानेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल में कुप्रबंधन का ऐसा आलम है कि प्रसव पीड़ा से कराह रही महिलाओं को भी 400 कदम चलकर सोनोग्राफी के लिए जाना पड़ता है।

यह पीड़ा सिर्फ शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी है, क्योंकि जब एक महिला प्रसव की पीड़ा झेल रही होती है, तब उसे आराम की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, ना कि अस्पताल के गलियारों में दर-दर भटकने की। पीबीएम अस्पताल के जनाना अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं को अगर दोपहर 2 बजे के बाद सोनोग्राफी करानी हो तो उन्हें 400 कदम दूर 22 नंबर सोनोग्राफी रूम में जाना पड़ता है। सोनोग्राफी होने के बाद उन्हें वापस लेबर रूम लौटना होता है। यानी 700-800 कदमों का सफर। इतनी शारीरिक वेदना में यह दूरी किसी सजा से कम नहीं है। ट्रोमा सेंटर में सोनोग्राफी मशीन का इस्तेमाल न किया जाना न केवल मरीजों के साथ अन्याय है बल्कि यह स्वास्थ्य मानकों और ट्रोमा सेंटर गाइडलाइंस की भी अवहेलना है।

- पीबीएम अस्पताल में कुप्रबंधन की पीड़ा प्रसूताओं को झेलनी पड़ रही है
- पीबीएम में भर्ती प्रसूताओं को अगर दोपहर 2 बजे के बाद सोनोग्राफी करानी हो तो 300 मीटर दूर 22 नंबर सोनोग्राफी रूम में जाना पड़ता है

पीबीएम अस्पताल में सुविधाओं का ढांचा तो मौजूद है, लेकिन मैनजेमेंट की लापरवाही से मरीजों को फायदा नहीं मिल रहा। प्रसव पीड़ा में एक महिला के लिए हर कदम भारी होता है। लेकिन अस्पताल प्रबंधन के लिए यह समस्या कोई मायने नहीं रखती। आखिर कब तक मरीजों को इस अव्यवस्था का शिकार होना पड़ेगा। यह सवाल अब केवल मरीजों का नहीं बल्कि पूरे स्वास्थ्य विभाग के लिए एक चेतावनी है। अस्पताल से अलग नहीं हैं। यह केन्द्र गंभीर एक्सीडेंट और आपातकालीन मरीजों के लिए बना है। लेकिन यहां सोनोग्राफी मशीन होने के बावजूद इस्तेमाल नहीं होती। गंभीर मरीजों को सोनोग्राफी के लिए पुरानी बिल्डिंग के 22 नंबर रूम भेजा जाता है, जिससे मरीजों की जान पर बन आती है। मरीजों को महंगी दरों पर निजी क्लीनिकों में सोनोग्राफी करवानी पड़ती है। ट्रोमा सेंटर में 247 सोनोग्राफी सेवा उपलब्ध होना अनिवार्य है। लेकिन यहां मशीन होने के बावजूद मरीजों को राहत नहीं मिल रही है। खासकर गर्भवती महिलाओं को 300 मीटर पैदल चलकर सोनोग्राफी कराने में परेशानी होती है।

महिला के गले से मंगलसूत्र तोड़ ले गए बदमाश

बीकानेर, (कासं)। महिलाओं के गले से चैन स्नेचिंग की वारदात लगातार बढ़ रही है। अब जयनारायण व्यास कॉलोनी में दिन-दहाड़े बाइक सवार बदमाश महिला के गले से मंगलसूत्र खींचकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद सीसीटीवी खंगाले।

तिलक नगर में रहने वाले गोपी किशन बिश्नोई ने जेएनवीसी पुलिस थाने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि वह सुबह अपनी पत्नी के साथ गया था। इस दौरान रानी बाजार में मंगल पांडे सर्किल पर खड़ा था। बाइक पर सवार युवकों ने अचानक आकर उसकी पत्नी के गले से सोने का मंगलसूत्र तोड़ लिया और भाग गए। पीछा किया लेकिन वो हाथ नहीं आए। जेएनवीसी पुलिस ने हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह को जांच सौंपी। पुलिस ने इस क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए हैं, जिसमें युवक का चेहरा या फिर गाड़ी नंबर पकड़ में आने पर कार्रवाई की जा सकेगी। फिलहाल मामला दर्ज होने के 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली है।

गुरूद्वारा में चोरी करने वाला गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला में स्थित एक गुरूद्वारा से युवक ने हजारों रूपए निकाल लिए। ये सारी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसके आधार पर पुलिस ने तीस साल के एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कस्बे में स्थित एक गुरूद्वारे में जब सुबह लोग पहुंचे तो वहां गुल्लक खाली दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज देखे तो उसमें साफ हो गया कि एक युवक ने गुरूद्वारे में प्रवेश करके वहां से रूपए निकाल लिए हैं। सीसीटीवी में वह वीडियो में रूपये निकालता साफ नजर आ रहा है। महज एक मिनट में उसने पूरा गुल्लक ही साफ कर दिया। उसे ये पता ही नहीं चला कि सारा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो रहा है। इसके बाद से क्षेत्र के लोगों ने में काफी नाराजगी थी।

पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने कुछ ही घंटों की मशक्कत के बाद राजेंद्र बावरी (30) को गिरफ्तार कर लिया। राजेंद्र को अदालत में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। राजेन्द्र खाजूवाला के एक केजेडी गांव का रहने वाला है। पूछताछ में उससे और भी चोरियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

- खाजूवाला में एक गुरूद्वारा में चोरी की वारदात कैमरे में कैद हो गई

बच्ची को कुत्ते ने नोंचा : बीकानेर शहर में न्यायालय परिसर के करीब महंत जी के डेरे के पास एक 6 साल की बच्ची को एक स्ट्रीड डॉग ने जगह-जगह से नोंच डाला। बच्ची के सिर से चेहरे पर 21 टांके आये हैं।

पवन सिंह राजपुरोहित की 6 साल की बेटी मन्नत सुबह 9 बजे अपने घर के बाहर खेल रही थी। बाहर से कोई स्ट्रीड डॉग आया और आते ही बच्ची पर अटैक कर दिया। बच्ची गिर पड़ी तो उसे नोंचने लगा। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर जब तक लोग आये तब तक वो लहूलुहान हो चुकी थी।

कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 23 वीं कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता सोमवार से प्रारंभ हुई।

प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि सभी खिलाड़ी खेल की भावना से इन प्रतियोगिताओं का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष आयोजित होने वाली इन प्रतियोगिताओं से स्टाफ में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता रहती है और वे निरंतर खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेलों की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर वित्त नियंत्रक पवन कस्वां ने भी खिलाड़ियों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स बोर्ड सचिव डॉ वी. एस. आचार्य, महेंद्र सिंह राठौड़, रतन सिंह शेखावत व अन्य निदेशक व शैक्षणेत्तर कर्मचारी व खिलाड़ी उपस्थित रहे। निदेशालय छात्र कल्याण के निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने आयोजित होने वाली विभिन्न खेल गतिविधियों की रूपरेखा की जानकारी दी।

- आयोजित होने वाली विभिन्न खेल गतिविधियों की रूपरेखा की जानकारी दी

श्याम भक्तों की भीड़ उमड़ी

नोखा, (कासं)। सुजानगढ़ रोड स्थित श्याम मंदिर में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। सूर्योदय के साथ ही मंदिर में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया। हजारों की संख्या में श्याम भक्त बाबा के दर्शन के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं।

पीले वस्त्र धारण किए महिलाएं और पुरूष खाटू नरेश के दर्शन कर अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। भक्तगण इत्र, पुष्प और विभिन्न पूजन सामग्री से बाबा की आराधना में लीन हैं। मंदिर परिसर में उमड़ी भीड़ से बाहर मेले जैसा माहौल बन गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। भक्तों की सुरक्षा और व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया है। मंदिर के आसपास के क्षेत्र में दुकानदारों ने पूजा सामग्री की दुकानें लगाई है।

बीकानेर में देर रात तक चली 'नौटंकी शहजादी रम्मत'

बीकानेर, (कासं)। होली की रंगत अब परवान पर है। बिस्सों के चौक में देर रात तक चली 'नौटंकी शहजादी रम्मत' के दौरान माता के रूप में बच्चा मंच पर पहुंचा तो हजारों लोग उसकी एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े। रात करीब दो बजे शुरू हुई रम्मत सोमवार सुबह नौ बजे तक भी अनवरत चलती रही। हर साल की तरह इस बार भी रम्मत देखने के लिए परकोटे और परकोटे से बाहर के लोग पहुंचे। आस-पास के मोहल्लों तक में रास्ता जाम हो गया।

आशापुरा नाट्य एवं कला संस्थान की देखरेख में देवी आशापुरा माता के बाल स्वरूप के रमणसा उस्ताद के अखाड़े में अवतरण के साथ ही रम्मत शुरू हो गई। बिस्सों के चौक में जैसे ही माता का दर्शन शुरू हुआ तो आशापुरा मैया के जयकारे लगे। भक्तों ने मां की स्तुति कर प्रसाद चढ़ाया।

रम्मत के इस लोक नाट्य में भाभी के ताने 'देवर हकूमत आपकी हम पर सही न जाए.., देते सो दीजौ मति मुझे परवाह.., आपकी खिदमतगारी करेगी ब्याही नारी, जो तन्खा तुमरी पावे, अष्ट पहर, हर घड़ी पेशवाही में वोही आवे। दरअसल भाभी अपने देवर से कहती है कि वो उनकी हर बात नहीं मान सकती। आपकी पत्नी आपका वेतन लेगी तो बात भी वो ही सुनेगी। इतनी बात सुनकर देवर घर से निकल जाता है। पंजाब के सियालकोट के राजा फूल सिंह की इस कहानी को मंच पर रात भर मंचित किया जाता है। भाभी की बात से नाराज भाई अब अपने बड़े भाई की बात भी नहीं सुनता और घर छोड़कर चला जाता है। वो मुल्तान पहुंचकर वहां की शहजादी को आकर्षित करता है। उससे शादी करने पहुंच जाता है। नौटंकी शहजादी में आदित्य नारायण पुरोहित ने आशापुरा माता, हर साल की तरह कृष्ण कुमार बिस्सा ने पंजाबी उर्फ फूल सिंह, इंद्र कुमार बिस्सा ने भाई, मनोज कुमार व्यास ने नौटंकी शहजादी, विकास पुरोहित ने मलिन का रोल किया। प्रेम गहलोत ने भाभी, रविन्द्र बिस्सा ने कोतवाल, महेंद्र बिस्सा ने यार की भूमिका निभाई। हर्षों के चौक में हर्षों-व्यासों का पानी का खेल होगा।

कांग्रेस में निष्क्रिय कितना भी बड़ा हो अब उन्हें संगठन से हटायेंगे : चिरंजीव राव

बीकानेर,(कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं राजस्थान के प्रभारी चिरंजीव राव ने सोमवार को बीकानेर शहर कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेसजनों की बैठक ली।

चिरंजीव राव ने बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने तय किया है कि कांग्रेस अब 'जय बापू-जय संविधान' के रास्ते पर चलेगी। पार्टी में उनका ही मनोनयन पदाधिकारी के रूप में होगा जो सड़कों पर संघर्ष करेगा। जो नाम के पदाधिकारी है और काम नहीं करते हैं। अब संगठन में से उनको हटाया जायेगा। अब जो कार्य करेगा वो ही कांग्रेस में रहेगा।

जिला कांग्रेस को सड़कों पर संघर्ष करने की बातें बताते हुए कहा कि हमें हिन्दू होना साबित करने के कार्य करने की आवश्यकता नहीं,

बीकानेर शहर कांग्रेस कार्यालय में एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव व राजस्थान के प्रभारी चिरंजीव राव ने कांग्रेसजनों की बैठक को संबोधित किया।

आवश्यकता भाजपा के फर्जी हिन्दुत्व के पोल खोलने की जरूरत है। जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस के सच्चे और समर्पित कार्यकर्ताओं का है। जो जिला कांग्रेस के साथ कांग्रेस पार्टी का कार्य करेगा, वो ही संगठन में राज करेगा। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से ही संघर्ष के रास्ते को चुना और आज भी वही समय है जब हम सबको संघर्ष कर पार्टी को खड़ा करना होगा। प्रभारी शहर जगदीश चंद्र जांगिड़ ने कहा कि भाजपा देश में नफरत का माहौल बना रही है। हमें राहुल गांधी के संदेश को जन जन तक लेकर जाना है। बैठक में सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत, बी. डी. कल्ला ने शाल साफा और माला पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया।

- राजस्थान के प्रभारी चिरंजीव राव ने कहा कि अब सड़कों पर संघर्ष करने वालों को तरजीह दी जायेगी

चंग धमाल पर फाल्गुन गीतों का समां बांधा

नोखा, (कासं)। होली टोली ग्रुप उत्तरादा बास द्वारा आयोजित होली चंग धमाल कार्यक्रम में लोगों ने परंपरागत फाल्गुन के रंग में रंग जमाया। कार्यक्रम की शुरूआत नोखा के मुख्य कलाकार श्याम भट्टड़ ने 'राजा बलि के दरबार मची रे होली' गीत से की।

ग्रुप के मनोज राठी और सुनील भट्टड़ ने बताया कि नोखा में लुप्त होती चंग धमाल परंपरा को बचाने के लिए होली टोली ग्रुप हर साल यह आयोजन करता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। धमाल गीतों के कलाकार भाई जीवण ने 'मोरियो मगरे रो..' गीत प्रस्तुत किया। रिज्या, राहुल सोनी, ललित डागा और महेश सोनी ने अपने नृत्य से समां बांधा। अरूण भट्टड़, राजू बोथरा, दिनेश तापड़िया, जेठू लाहोटी और रामकरण ने चंग बजाकर फाल्गुन गीत गाए और धमाल का आनंद लिया।

राजस्थान सरकार कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक:-नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपति सूचना** दिनांक:-9.3.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में चक 6ई छोटी मुरब्बा नं.22के किला नं.08 में माप 25इन्टू 50 फीट का पट्टा संख्या 6331 दिनांक 22.08.2017 को श्रीमती विजय लक्ष्मी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार के नाम जारी हुआ है। उक्त भूमि में से श्रीमती ज्योति पत्नी श्री तेज सिंह द्वारा उक्त भूखण्ड में से माप 12.6 इन्टू 50 फीट उत्तरी हिस्सा एवं श्रीमती विमला पत्नी श्री बलराम द्वारा माप 12.6 इन्टू50फीट दक्षिणी हिस्सा जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक18.07.2024 के द्वारा क्रय कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पट्टे एवं पंजीकृत बैयनामों का समर्पण कर भूखण्ड की लीज हस्तान्तरित करवाते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।
अत:उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्तिमय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियोजन/2025/274 **विज्ञप्ति** दिनांक : 4.3.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 4 में भूखण्ड सं. ME-179 भूखण्ड माप 25'-0" गुणा 60'-0" फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पटटा सं. 4427 दिनांक 16.07.2015 एवं भूखण्ड सं. ME-152 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट आवासीय पटटा सं. 4394 दिनांक 10.07.2015 द्वारा श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री किशन कुमार मित्तल के नाम से जारी है। पटटाधारक श्री प्रदीप मित्तल द्वारा भूखण्ड सं. ME-179 भूखण्ड माप 25 गुणा 60 फीट एवं भूखण्ड सं. ME-152 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट जरिये रजिस्ट्री श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता को विक्रय किया गया है।श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता द्वारा भूखण्ड सं. ME-179 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1332 DT 31-01-2025 एवं भूखण्ड सं. ME-152 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1330 DT 31-01-2025 द्वारा जारी है। श्रीमती अनु गुप्ता द्वारा उक्त दोनो भूखण्डों का पुर्नगठन की शर्त के साथ आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ रूपांतरण करने हेतु निवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग मिश्रित आरक्षित है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10. 2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान / जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो यह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियोजन/2025/276 **विज्ञप्ति** दिनांक : 4.3.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 4 में भूखण्ड सं. ME-178 भूखण्ड माप 25'-0" गुणा 60'-0" फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पटटा सं. 4392 दिनांक 10.07.2015 एवं भूखण्ड सं. ME-153 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट आवासीय पटटा सं. 4393 दिनांक 10.07.2015 द्वारा श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री किशन कुमार मित्तल के नाम से जारी है। पटटाधारक श्री प्रदीप मित्तल द्वारा भूखण्ड सं. ME-178 भूखण्ड माप 25 गुणा 60 फीट एवं भूखण्ड सं. ME-153 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट जरिये रजिस्ट्री श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग को विक्रय किया गया है। श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा भूखण्ड सं. ME-178 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1328 DT 31-01-2025 एवं भूखण्ड सं. ME-153 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1329 DT 31-01-2025 द्वारा जारी है। प्रार्थीया श्रीमती अनु गुप्ता पत्नी श्री राकेश गुप्ता एवं श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा उक्त दोनो भूखण्डों का पुर्नगठन की शर्त के साथ आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ रूपांतरण करने हेतु निवेदन किया है।श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग मिश्रित आरक्षित है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10. 2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान / जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो यह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियोजन/2025/278 **विज्ञप्ति** दिनांक : 4.3.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 22 के किला नं. 4 में भूखण्ड सं. ME-177 भूखण्ड माप 25'-0" गुणा 60'-0" फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा आवासीय पटटा सं. 4403 दिनांक 13.07.2015 एवं भूखण्ड सं. ME-154 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट आवासीय पटटा सं. 4402 दिनांक 13.07.2015 द्वारा श्री प्रदीप मित्तल पुत्र श्री किशन कुमार मित्तल के नाम से जारी है। पटटाधारक श्री प्रदीप मित्तल द्वारा भूखण्ड सं. ME-177 भूखण्ड माप 25 गुणा 60 फीट एवं भूखण्ड सं. ME-154 भूखण्ड माप 25 गुणा 55 फीट जरिये रजिस्ट्री श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग को विक्रय किया गया है। श्रीमती सुषमा देवी गर्ग पत्नी श्री सुशील गर्ग द्वारा भूखण्ड सं. ME-177 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1334 DT 31-01-2025 एवं भूखण्ड सं. ME-154 का नामान्तरण न्यास के पत्रांक SGNR/FY/24-25/MUT/1331 DT 31-01-2025 द्वारा जारी है। श्रीमती सुषमा देवी गर्ग द्वारा उक्त दोनो भूखण्डों का पुर्नगठन की शर्त के साथ आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 एवं जोनल प्लान में प्रश्नगत भूखण्ड का प्रस्तावित भू-उपयोग मिश्रित आरक्षित है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10. 2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान / जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो यह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

बीसलपुर बांध की बनास नदी में नाव पलटने से पांच दोस्त डूबे

दो युवक तैरकर कर बाहर निकल आये, तीन युवक पानी में लापता हुए, तलाश जारी

देवली, (निसं)। देवली उपखंड के बीसलपुर बांध की बनास नदी में सोमवार को नाव पलट जाने से पांच युवक पानी में डूब गए, जिनमें से दो युवक जैसे-तैसे तैर कर पानी से बाहर निकलने में सफल रहे। वहीं तीन युवक पानी में डूब गए। जानकारी के अनुसार यह घटना अजमेर जिला सावर थाना क्षेत्र के नापाकाखेड़ा स्थित बनास नदी में हुई। ऐसे में बनास नदी के गहरे पानी में डूबे तीन युवकों को तलाश किया जा रहा है।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

- जैसे ही नाव किनारे से कुछ दूर पर पहुंची तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई

जानकारी के अनुसार यह हादसा सोमवार दोपहर 12:30 बजे हुआ था। लापता युवकों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पानी से बाहर निकल में सफल रहे प्रवीण मीणा ने बताया कि वह चार अन्य साथी संदीप मीणा (30), कालूराम मीणा (16), राजवीर मीणा (30) और सांवरा मीणा निवासी नापाखेड़ा के साथ यहां आए थे। यह सभी दोस्त नाव में बैठे हुए थे। जैसे ही नाव किनारे से कुछ दूर पर पहुंची तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई। इस दौरान नाव में सवार पांचों युवक पानी में डूब गए। इस दुर्घटना में प्रवीण और सांवरा मीणा तैरकर जैसे-तैसे बाहर निकल आए, जबकि तीन अन्य दोस्त नदी के गहरे पानी में लापता हो गए। इसके बाद दोनों युवकों ने गांव में पहुंचकर ग्रामीणों को हादसे की जानकारी दी। जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उक्त हादसे की सूचना पर सावर पुलिस को दी इस पर थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा मौका स्थल पर पहुंचे गए। पुलिस ने बताया कि संदीप गांव में ही ई-मित्र चलाता है। जबकि राजवीर मीणा जयपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है।

खाटूश्यामजी के दर्शन कर दिल्ली जा रहे चार श्रृद्धालु घायल

दिल्ली जा रहे चार श्रृद्धालुओं का वाहन ट्रक से टकरा गया था

भाबरु थाना क्षेत्र के ग्राम बागावास पुलिया के पास ट्रक से कार टकरा गई।

पावटा, (निसं)। भाबरु थाना क्षेत्र के ग्राम बागावास पुलिया के पास रविवार शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब एक वाहन, जो खाटूश्याम जी के दर्शन कर वापस दिल्ली लौटते समय ट्रक से टकरा गया।

इस भीषण दुर्घटना में चार लोग दिल्ली निवासी बृजेश मित्तल, फूलचंद, विनीता, सोनिया, तरुण घायल हो गए, जिन्हें पावटा उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया। हादसा इतना भयंकर था कि श्रद्धालुओं से भरा वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद चीख-पुकार मच गई, जिससे हर कोई दंग रह गया। घटनास्थल पर सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल पहुंचकर घायलों को ग्रामीणों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। वहीं शाम करीब तीन बजे एक एल्टिका सवार सीताराम भी ट्रक से टकरा कर घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं दो बाइक सवार जो कि खाटूश्यामजी के दर्शन कर वापस अपने घर लौट रहे थे, प्रागपुरा के पास सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार प्रदीप निवासी बावल, मुन्ना निवासी यूपी बाइक से खाटूश्यामजी के दर्शन कर वापस अपने घर लौट रहे थे, जो सड़क हादसे के शिकार हो गए, जिन्हें पावटा उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद कोटपुतली रेफर कर दिया गया।

खाटूश्यामजी में एकादशी को उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

एकादशी के दिन बाबा श्याम की सवारी निकाली।

- भक्तों को दर्शन देने दरबार से निकले लखदातार, भजन संध्याओं में भजनों की गंगा बही
- 12 दिवसीय मेले में एकादशी तक करीब 22 लाख श्रद्धालु खाटूश्यामजी पहुंचे

खाटूश्यामजी, (निसं)। श्याम बाबा के वार्षिक लक्खी फाल्गुन मेला में सोमवार एकादशी के दिन बाबा श्याम के भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। देश के कोने-कोने से लाखों श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन करके मन्नत मांग रहे हैं। बाबा श्याम के सतरंगी फाल्गुन मेले में एकादशी के पावन अवसर पर सांवले सरकार के दर्शन किए। विश्व विख्यात खाटूधाम में श्याम भक्त रींगस से खाटूश्यामजी पदयात्रा करते हुए बाबा के जयकारे लगाते हुए श्याम बाबा के दर्शन करने के लिए पहुंचे और बाबा श्याम के मनमोहक श्रृंगार के दर्शन कर परिवार को सुख समृद्धि की कामना की।

बाबा श्याम के वार्षिक महोत्सव का सबसे आकर्षण का केन्द्र बाबा श्याम की रथयात्रा शाही अंदाज में निकली। श्याम मंदिर परिसर से श्वेत घोड़ों से सजे रथ पर नीले घोड़े पर लाल कोट व पीले पजामी में सुनहरे मुकुट के कंलगी के साथ विराजमान होकर लखदातार नगर भ्रमण को निकले। इस दौरान रथ पर सवार सांवले सेठ की एक झलक पाने को तथा रथ को छूने की ललक के साथ रथ के साथ श्याम भक्त साथ-साथ चलते रहे। इस दौरान मेला मजिस्ट्रेट मोनिका सामोर व थानाधिकारी पवन चौबे ने मय जाब्ता सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। इस बार फाल्गुनी शुक्ल एकादशी के अवसर पर निकला बाबा श्याम का शाही रथ चांदी का बना हुआ था। जीपनुमा रथ,जो कि करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से बना हुआ था।उस पर बाबा श्याम नूतन मूर्ति के रूप में विराजमान हुए। प्रशासन ने व्यवस्था बनाने के लिए रस्सी बांध रखी थी। भक्तों ने रथ के साथ ही रस्सी को भी छूने का प्रयास किया। इसके साथ ही जगह जगह रथयात्रा पर पुष्प वर्षा भी हुई। श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चौहान व मंत्री मानवेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि बाबा श्याम का एकादशी पर श्रृंगार किया। 12 दिवसीय मेले में एकादशी तक करीब 22 लाख श्रद्धालु खाटूश्यामजी पहुंचे और बाबा श्याम के दर्शन किए। सैंकड़ों वर्षों से चली आ रही परम्परा के अनुसार द्वादशी को बाबा श्याम के शिखर पर सूरजगढ़ का निशान चढ़ेगा।

होटल में फाइनेंसकर्मी की पीट-पीट कर हत्या

- खाने का बिल ज्यादा लगने पर मैनेजर को टोका तो लाठी-डंडों से हमला किया

बूंदी/कोटा, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में बीती रात रामगंज बालाजी नेशनल हाईवे स्थित होटल में पैसों की लेनदेन को लेकर हुए विवाद में होटल कर्मियों ने एक युवक को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

सदर थानाधिकारी रमेश आर्य ने बताया कि मारपीट के बाद घायल युवक को कोटा अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। आर्य ने बताया कि मृतक कोटा प्रेम नगर निवासी नितिन पुत्र ओमप्रकाश खटीक अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ कार से रात एक बजे बून्दी आए थे। वह सब खाना खाने के लिए होटल गए। खाना खाने के बाद जब नितिन बिल देने गया तो उसे लगा को होटल कर्मी खाने का अधिक पैसे ले रहा है। उसने मैनेजर को टोका कि वह रात के समय अधिक वसूली ना करे जो वाजिब पैसा है यह लें। इस बात को लेकर होटल कर्मियों और नितिन के बीच बहस हो गई। नितिन के दोस्तों ने बताया कि होटलकर्मी नितिन के साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट करने लगे। उन्होंने नितिन को इतनी बुरी तरह से पीटा कि वह मूर्छित हो गया। उसे हम कार में लेकर कोटा अस्पताल आए, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि होटल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है, ताकि घटना की पूरी जानकारी मिल सके। पुलिस ने कुछ लोगों को डिटेन कर पुछताछ शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

अफीम दूध सहित दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए अवैध अफीम दूध सहित कार जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने आसूचना व तकनीकी सहायता से मिले साक्ष्यों के आधार पर मादक पदार्थ कारोबारी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए सोहनलाल पुत्र गोपीलाल निवासी नान्दोली खुर्द वल्लभनगर तथा देवीलाल पुत्र शंकरलाल निवासी नान्दोली खुर्द थाना वल्लभनगर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से कार जिसमें 1 किलों 125 ग्राम अवैध अफीम दूध मिला। बरामद दूध की बाजार कीमत करीब दो लाख रूपये बताई जाती है।

सेवानिवृत सैन्यकर्मी की हत्या

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती मथानिया के बालरवा में सेवानिवृत सैन्यकर्मी की पिकअप वाहन से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। इधर सोमवार सुबह मृतक के परिजन मथुरादास माथुर अस्पताल की मोर्चरी पर जुट गए और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करते धरने पर बैठ गए। 24 घंटे बाद भी हत्यारों के नहीं पकड़े जाने पर परिजन में रोष व्याप्त है। परिजन हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। परिजनों कुछ लोगों के खिलाफ मथानिया थाने में मामला दर्ज कराया है। विवाद खेत का बताया गया है। इस बारे में एक पक्ष की तरफ से शनिवार को केस दर्ज करवाया गया था। तब सैन्यकर्मी रविवार को केस दर्ज कराने पुलिस थाने जा रहा था। तब मार्ग में यह घटना हुई। मथानिया पुलिस अब हत्या के आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाया है। हत्या में शामिल आरोपियों के घर पुलिस ने दबिश दी। लेकिन वह फरार हो गए। मथानिया थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि बालरवा गांव का मामला है। छत्तर सिंह और गंगासिंह के बीच खेत से रास्ता निकालने को लेकर विवाद चल रहा है। दोनों पक्षों के बीच शनिवार शाम को भी झगड़ा हुआ था। तब बालरवा निवासी महिपाल पुत्र भोम सिंह ने रविंद्रपाल सिंह पुत्र छत्तर सिंह व ऋषिराज सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। एक पक्ष की ओर से मामला दर्ज होने की सूचना मिलते ही रविवार को सुबह छत्तर सिंह अपने बेटे रविंद्रपाल सिंह के साथ मोटरसाइकिल पर मामला दर्ज करवाने के लिए मथानिया थाने जा रहा था। ऋषिराज सिंह भी उनके साथ था। तभी दूसरे पक्ष से कुछ लोग कार और बोलेरो पिकअप लेकर उनके पीछे लग गए। रास्ते में कार से छत्तर सिंह की मोटरसाइकिल को टक्कर मारी। रविंद्रपाल सिंह और ऋषिराज सिंह गाड़ी से नीचे गए गए। तब चालक ने बोलेरो पिकअप छत्तर सिंह पर चढ़ा दी।

लूट एवं नकबजनी गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। डबोक थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान लूट एवं नकबजनी गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने सत्रह वारदातें करना कबूल किया।

एसपी योगेश गोयल के निर्देश पर डबोक थानाधिकारी के नेतृतव में गठित दल ने लूट एवं कनबजनी की वारदात करने वाली गैंग के दो बदमाश प्रकाश मीणा निवसी दोवडिया सलूम्बर एवं लख्मा उर्फ लक्ष्मण मीणा निवासी बेडावल फला कावड़िया सलूम्बर को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार पीड़िता मोहनीबाई पत्नी लोकरलाल निवासी जुनावास डबोक ने 6 फरवरी को रिपोर्ट दी, जिसमें उसने बताया कि दोपहर में मैं व पुत्री बइदामी दोनों घर से खेत पर जा रहे थे, जहां से वापस लौटते समय बीच रास्ते में जूनावास उप स्वास्थ्य केन्द्र के पास बाइक लेकर आए दो लड़कों ने मुझे रास्ते के लिए पूछा। इस दौरान साथी बदमाश ने बाइक से उतरकर मेरे कान के गाले खींच लिए इसका विरोध कर चिल्लाने पर आरोपी फरार हो गए। इसी तरह लक्ष्मीबाई डांगी पत्नी नारायणलाल निवासी सलेरा कला हेमा वाला कुआ डबोक ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी, जिसमें उसने बताया कि 12 फरवरी को मैं खेत से घर लौट रही थी, जहां बीच रास्ते बाइक पर आए तीन बदमाश में से दो जने नीचे उतर कर चाकू दिखा धमकी दी तथा कान के सोने के टॉप्स व गले से लोकेट लूट ले गए। इसी तरह नान्दवेल गांव में राधी बाई पत्नी उदेलाल डागी निवासी नान्दवेल को अज्ञात बदमाश धमकाकर सोने की नथ लूट ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर पुलिस की टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर से नौकरी का नियुक्ति आदेश बनाया

- नौकरी दिलाने के नाम पर की एक लाख की धोखाधड़ी, भाजपा कार्यकारिणी सदस्य गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। तथाकथित भाजपा कार्यकर्ता ईश कोचर ने श्रीगंगानगर कलेक्टर मंजू के फर्जी हस्ताक्षर से नियुक्ति आदेश बनाकर एक व्यक्ति से एक लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित मुकेश कुमार 2013 में नगरपालिका सादुलशहर में सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्त हुआ था। 2014 में दो से अधिक बच्चे होने के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया। मुकेश ने जोधपुर हाई कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने उसके पक्ष में फैसला सुनाया। इसी दौरान आरोपी ईश कोचर ने मुकेश से संपर्क किया। उसने नौकरी दिलाने का वादा किया। ईश ने मुकेश से दस्तावेज लेकर कलेक्टर कार्यालय में जमा किए। 27 फरवरी को उसने मोबाइल से एक पुनर्नियुक्ति आदेश भेजा। नगर परिषद के कर्मचारियों ने इस आदेश को फर्जी बताया। मुकेश के अनुसार, ईश कोचर ने फर्जी आदेश दिखाकर उससे पैसों की मांग की। इससे पहले भी वह एक लाख रुपए की धोखाधड़ी कर चुका था। कोतवाली पुलिस ने जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। भाजपा के श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह मान ने बताया कि पुरानी भाजपा कार्यकारिणी में ऐसे नाम का कोई व्यक्ति नहीं था और नई कार्यकारिणी तो अभी बनी ही नहीं है, इसलिए साफ है कि ये व्यक्ति भाजपा की किसी भी कार्यकारिणी में सदस्य नहीं है और ना ही मैं ऐसे किसी व्यक्ति को जानता हूं।

बाइक सवार युवक को वाहन ने टक्कर मारी

खेतड़ी , (निसं) खेतड़ी थाना क्षेत्र के कोलिहान नगर के पास सोमवार को एक बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में बाइक सवार घायल हो गया, जिसकी हालत गंभीर होने पर उसे झुंझुनूं रैफर कर दिया। जानकारी के अनुसार मोई पुरानी थाना सिंघाना निवासी नक्ष जांगिड़ (21) पुत्र महावीर प्रसाद बाइक पर अपने घर से खेतड़ी के स्वामी विवेकानंद राजकीय कालेज में बीए बीएड परीक्षा का सुबह की पारी में पेपर देने के लिए आया था। जब वह पेपर देने के बाद वापस अपने घर लौट रहा था।

प्रदर्शन में शामिल हुए कार्यकर्ता

झुंझुनूं। सोमवार को जयपुर में भीम आर्मी चीफ सांसद चंद्रशेखर आजाद पर मथुरा व उड़ीसा में हुए हमले के विरोध, भीम आर्मी चीफ को केंद्र सरकार से जेड प्लस सुरक्षा देने व प्रदेश मे ध्वस्त हुई कानून व्यवस्था को लेकर राष्ट्रपति को राज्यपाल के माध्यम ज्ञापन दिया गया। झुंझुनूं जिले से आने वाले साथियों ने इस आंदोलन में भाग लिया।

पांच हजार का फरार इनामी बदमाश अवैध पिस्टल सहित गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ जयपुर, अजमेर, किशनगढ़, बांदरसिंदरी व मौजमाबाद में मुकदमे दर्ज हैं

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। मदनगंज थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर अवैध पिस्टल जब्त की है। अजमेर जिले के टॉप 10 बदमाशों में शामिल गैंग के सरगना के खिलाफ जयपुर, अजमेर, किशनगढ़, बांदरसिंदरी, मौजमाबाद में लूट चोरी मारपीट के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की गिरफ्त में आया गांव खंडाच बांदरसिंदरी निवासी आदतन बदमाश फौजी खुसीराम जाट (25) पुत्र रघुनाथ जाट है।

एसपी वंदिता राणा के निर्देश पर उपअधीक्षक उमेश गौतम के सुपरविजन में थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में काफी समय से फरारी काट रहे फौजी को पकड़ने के लिये विशेष टीम गठित की गई। इस बीच सूचना मिली कि नया गांव के पास सर्विस रोड़ पर शातिर बदमाश खुसीराम किसी वारदात को अंजाम पर पहुंचाने के इरादे से खड़ा है। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश देकर इसे पिस्टल सहित धरदबोचा। खुशीराम वर्ष 2019 में बतौर क्लर्क भारतीय सेना में भर्ती हुआ था। वर्ष 2020 में गांव रारी में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान इसके भाई शौकीन जाट के साथ कटसुरा निवासी सुरेंद्र घासल जाट ने मारपीट कर दी। बदला लेने के लिये दोनों के बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई। भाई के साथ घटित मारपीट का बदला लेने के लिये एक साल बाद छुट्टी पर आया खुसीराम संगीन वारदातें कर नौकरी पर चला जाता था, किंतु वर्ष 2023 में फिर कभी नौकरी पर नहीं गया। इसने अपराध की दुनिया में कदम रखकर 302 नाम से गैंग बना ली। क्षेत्र में प्रभाव जमाने के लिये आये दिन अपराध किये जाने पर पुलिस ने इसे पकड़ने के लिये कई बार प्रयास किये, पर शातिर अपराधी पुलिस को चकमा देकर फरारी काटता रहा। मदनगंज थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने इसे गिरफ्त में लेकर जहां भी इसके विरुद्ध मुकदमे दर्ज है, वहां की पुलिस को सूचना कर दी। पुलिस टीम में सउनि जगदेव कुमार, हैड कां. सांवर लाल, रोशनलाल, कांस्टेबल बजरंग यादव, करतार, कालू मीणा, विनोद, सीताराम, प्रेमचंद, दातारसिंह, रामराज, हेमसिंह शामिल रहे।

मदनगंज थाना पुलिस ने पांच हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया।

- फौजी खुसीराम जाट वर्ष 2023 से कभी नौकरी पर नहीं गया, इसने अपराध की दुनिया में कदम रखकर 302 नाम से गैंग बना ली

डिजी लॉकर से डिग्री व अंक तालिका का सत्यापन हो सकेगा

- फर्जी डिग्री व प्रमाण-पत्रों पर लगाम लगेगी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा अब डिग्रियों व अंकतालिकाओं, अन्य दस्तावेजों का सत्यापन नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी में संधारित डेटा को डिजी लॉकर के माध्यम से एक्सेस कर भी किया जा सकेगा। इस संबंध में राष्ट्रीय इ-गवर्नेंस प्रभाग इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी की पहल पर उनकी टीम द्वारा 25 फरवरी 2025 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

आयोग सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा डिजी लॉकर को आयोग की भर्ती प्रक्रियाओं में उपयोग लिए जाने के लिए अनुरोध किया गया था। इस क्रम में डिजी लॉकर प्लेटफार्म का इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी द्वारा तकनीकी प्रेजेंटेशन आयोग के अधिकारियों के समक्ष किया गया था। इसमें डिजी लॉकर के उपयोग एवं उपलब्ध ऑनलाईन आधारित दस्तावेजों के बारे में जानकारी दी गई।

डिजी लॉकर पर आधार, 10वीं/12वीं/ग्रेजुएशन इत्यादि की अंकतालिका स्व-प्रमाणीकरण के द्वारा उपलब्ध हो जाती है। इसमें दस्तावेज जिस अथॉरिटी (प्राधिकारी) द्वारा जारी किया गया है। वहीं से प्रमाणित होकर डिजी लॉकर में उपलब्ध होता है। ऐसे में उस दस्तावेज को पुनः सत्यापित किये जाने की आवश्यकता नहीं रहती है एवं दस्तावेज सत्यापन में समय भी कम लगता है। इलैक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा राजस्थान लोक सेवा आयोग को भी डिजीलॉकर के लिए ऑनबोर्ड किया गया है। यह भारत सरकार का एप्लीकेशन है जो कि पूर्णतया सुरक्षित एवं संरक्षित है। दस्तावेज सत्यापन की यह प्रक्रिया फर्जी डिग्री व प्रमाण-पत्रों पर लगाम लगाने में भी प्रभावी सिद्ध हो सकेगी। इसके माध्यम से अभ्यर्थी की सही पहचान तथा दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर रहने वाले संशय को भी दूर किया जा सकेगा, जिससे पात्र अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित होने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन ऑनलाईन स्वतः प्रमाणीकरण के आधार पर उपलब्ध होने से इस प्रक्रिया में लगने वाले अनावश्यक समय में कमी होगी एवं भर्ती प्रक्रिया त्वरित गति से पूर्ण की जा सकेगी। निकट भविष्य में अभ्यर्थियों की वन टाइम रजिस्ट्रेशन संबंधी एप्लीकेशन आईडी/एडमिट कार्ड इत्यादि से संबंधित सूचनायें भी डिजी लॉकर से इंटीग्रेट कर सुगमता से उपलब्ध करवाई जा सकेंगी।

अगर भारत ने पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी जीती होती तो ये भारतीय टीम के लिए खेल से इतर विशेष जीत होती।

- अजय जडेजा

भारत के पूर्व कप्तान, भारतीय टीम का पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल नहीं जीतने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कैटी सेडलियर

राष्ट्रमंडल खेल की सीईओ कैटी सेडलियर ने कहा, ''ब्रांड नाम राष्ट्रमंडल खेल एक मजबूत, अधिक एकीकृत उद्देश्य को दर्शाता है जो हमारे दर्शकों के साथ गहरे स्तर पर जुड़ता है।'' राष्ट्रमंडल खेल महासंघ ने सोमवार को अपना नाम बदलकर राष्ट्रमंडल खेल कर लिया और कहा कि यह संचालन संस्था से एक 'आंदोलन' बनने का बदलाव है। नाम बदलने के फैसले की घोषणा 10 मार्च को राष्ट्रमंडल दिवस के मौके पर की गई। ''राष्ट्रमंडल दिवस 2025 से राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को राष्ट्रमंडल खेल के नाम से जाना जाएगा।''

क्या आप जानते हैं ?... सचिन ने 345 पारियां में 17113 रन बनाने में सफल रहे, तेंदुलकर वनडे और टेस्ट में दुनिया में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम के अजेय प्रदर्शन की सराहना

मुंबई, 10 मार्च। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत दर्ज करने पर सोमवार को भारतीय टीम को बधाई दी। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुकरणीय नेतृत्व और सामरिक कौशल ने टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कप्तान रोहित के प्रेरणा देने और मिसाल कायम करने वाले नेतृत्व क्षमता ने भारत के विजयी अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर की भूमिका की भी सराहना की करते हुए कहा कि उनका निडर दृष्टिकोण और सामरिक अंतर्दृष्टि ने इस विजेता टीम को लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ,

सहयोगी कर्मियों और चयन समिति को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई दी।

बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, पिछले साल टी-20 विश्वकप की सफलता के बाद यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

एक और वैश्विक टूर्नामेंट में दबदबा बनाना और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। टीम ने बेजोड़ निरंतरता और अपने चरित्र के साथ खेला है मैं कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूरी टीम को उनकी ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई देता हूं।

रोहित की टी-20 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी दोनों खिताब जीतने से उन्हें भारत के सबसे बेहतरीन और सबसे सफल कप्तानों में से एक के शुमार किया है और उनके नेतृत्व में टीम को मजबूती मिली है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, आईसीसी खिताब जीतना हमेशा एक विशेष उपलब्धि होती है और इस टीम ने इसे प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया है। अनुभव और युवा ऊर्जा का सहज मिश्रण उल्लेखनीय रहा है और यह जीत भारतीय क्रिकेट की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी।

दिव्या राजावत व शिव्या राजावत ने जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, 10 मार्च। 8 से 9 मार्च 2025 तक जयपुर राजस्थान में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर निशुल्क अस्मिता खेलो इंडिया ताइक्वांडो सिटी लीग राजस्थान स्टेट चैम्पियनशिप का आयोजन ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया, सांई व राजस्थान ताइक्वांडो फेडरेशन के तत्वावधान में जयपुर जिला ताइक्वांडो द्वारा सम्पन्न करवाया गया जिसके प्रवर्तक खेलो इंडिया, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार है। इस प्रतियोगिता में जयपुर की दिव्या राजावत ने सीनियर अंडर 67किग्रा भार वर्ग में व शिव्या राजावत अंडर 49 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया।

मैं वनडे प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहा हूं, जो हो रहा है, वो चलता जायेगा : रोहित

दुबई, 10 मार्च। रोहित शर्मा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह वनडे क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं। भारतीय कप्तान अपने साथी विराट कोहली के साथ बातचीत के दौरान अफवाह फैलाने वालों को बख्शने के मूड में नहीं थे, जब दोनों ने रविवार रात दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद तस्वीरें खिंचवाईं। सोशल मीडिया पर एक क्लिप खूब शेयर की जा रही है, जिसमें रोहित कथित तौर पर कोहली से कह रहे हैं कि कैसे हर कोई सोच रहा है कि वे वनडे से संन्यास लेने जा रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं है। रोहित ने साफ तौर पर कहा कि अभी हम कोई रिटायर नहीं होंगे। इनको तो लग रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मैं वनडे प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहा हूं। कृपया अफवाहें मत फैलाइये। भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' कोई फ्यूचर प्लान नहीं है। जो हो रहा है, वो चलता जायेगा।'' रोहित ने कहा कि पावरप्ले में आक्रामक खेलने का उनका फैसला खास लक्ष्य को ध्यान में रखकर लिया गया था। उन्होंने कहा ,'' मैने आज कुछ अलग नहीं किया। मैं पिछले तीन चार मैचों से ऐसा ही

कर रहा था। मुझे पता है कि पावरप्ले में रन बनाना कितना अहम है क्योंकि हमने देखा है कि दस ओवरों के बाद फील्ड के फैलने और स्पिनरों के आने के बाद रन बनाना मुश्किल होता है।''रोहित और कोहली ने अब भारतीय खिलाड़ियों के रूप में सबसे ज़्यादा खिताब जीते हैं, उन्होंने चार-चार खिताब जीते हैं। कोहली 2011 वनडे विश्व कप, 2013 और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी और 2024 टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा थे।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

तनिश जैन के शतक से न्यू जयपुर स्पोर्टस क्रिकेट एकेडमी विजयी

जयपुर, 10 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा पर खेले गये पूल-बी के मैच में द न्यू जयपुर स्पोर्टस क्रिकेट एकेडमी ने तनिश जैन के शतक (108 रन नाबाद 62 गेंद, 5 चौके, 8 छक्के) व 6 रन पर 1 विकेट तथा सुशील सिंघानिया 39 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदोलत आर.एस. क्रिकेट एकेडमी को 54 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। द न्यू जयपुर स्पोर्टस क्रिकेट एकेडमी ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया तनिश जैन के शतक (108 रन नाबाद 62 गेंद, 5 चौके, 8 छक्के), मीनष टांक 48 रन ने मिलकर पहले विकेट पर 9 ऑवर में ही 104 रन की शानदार ऑपनिंग पार्टनरशिप निभाकर अच्छी शुरूआत की अन्य बल्लेबाजो में मोहम्मद गाजी 16 रन, गौरव तोदावत 13 रन, की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 209 रन बनाये, आरएस एकेडमी की ओर राम सिंह परमाद 50 रन पर 3 विकेट, अर्जुन मीणा 29 रन 1 विकेट, रोनी 9 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। जवाबी पारी में आर.एस. क्रिकेट एकेडमी के कोशल मीणा 47 रन अक्तर सिंह 38 रन तथा जितेन्द्र यादव 37 रन नाबाद, की पारीयों के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकें, द न्यू जयपुर स्पोर्टस क्रिकेट एकेडमी की तरफ से सुशील सिंघानिया 39 रन पर 2 विकेट, मोहम्मद गाजी 28 रन पर 3 विकेट, रवि मीणा, मनीष टांक, तनीश जैन प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच तनिश जैन (108 रन नाबाद व 1 विकेट) द न्यू जयपुर स्पोर्टस क्रिकेट एकेडमी रहे।

जयपुर में पहला मिक्स्ड मास्टर्स एमेच्योर गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन

जयपुर, 10 मार्च राजस्थान महिला गोल्फिंग समूहफेयरवे क्वेस्टकी संस्थापक और रक्षा बलों की पूर्व महिलाओ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में07-08मार्च2025को जयपुर में पहला मिक्स्ड मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट आयोजित किया। महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न मनाने के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन शालीनता,उत्साह और जोश के साथ किया गया,जिसमें8मार्च को महिलाओं के लिए गुलाबी रंग के ड्रेस कोड को शामिल किया गया। यह टूर्नामेंट18होल राउंड प्रतियोगिता में दो दिनों तक खेला गया,जिसमें जयपुर और विभिन्न शहरों के पुरुषों,महिलाओं और वेटरन्ससहित40-80वर्ष आयु वर्ग के85गोल्फ खिलाड़ियों ने कई श्रेणियों में भाग लिया।

दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने इस वर्ष शुरू की गई3प्रतिष्ठित स्मारक रोलिंग ट्रॉफियां प्रदान करके सम्मानित किया,जिनमें दिवंगत ग्रुप कैप्टन संजय धनखड़ मेमोरियल ट्रॉफी,ओवरऑल विजेता पुरुष,ममता मिश्रा मेमोरियल ट्रॉफी,ओवरऑल विजेता महिला वर्ग और विंग कमांडर दिवंगत पृथ्वी सिंह चौहान मेमोरियल ट्रॉफी,विजेता10 - 18हैंडीकैप श्रेणी शामिल हैं। दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने महिला गोल्फरों को प्रेरित किया और फेयरवे क्वेस्ट के संस्थापकों को बधाई दी। फ्लाइट लेफ्टिनेंट डॉ. अर्पिता शर्मा,अध्यक्ष,डायना कौशिक सचिव और रूपाली तंवर ने उन्हें विशेष रूप से महिला और बाल गोल्फरों के लिए कई और गोल्फिंग टूर्नामेंट की शुभकामनाएं दीं।

लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश लांबा और श्रीमती मनीषा सिंह पुरुष और महिला वर्ग में समग्र विजेता बनकर उभरे,जबकि कर्नल शेर सिंह राठौड10 - 18हैंडीकैप श्रेणी में विजेता रहे। शुभ्रा महिला स्टेबलफोर्ड श्रेणी की विजेता रही। प्रवीण मिश्रा और ग्रुप कैप्टन एसके अग्रवाल (रिटायर्ड) अन्य श्रेणियों में विजेता रहे। कर्नल हरीश खंगारोत (रिटायर्ड) ओवरऑल ग्रॉस रनर अप रहे। मेजर संदीप सिवाच (रिटायर्ड) और नीलम सिंह ने पुरुष और महिला श्रेणी में सबसे लंबी ड्राइव जीती। कई प्रतिष्ठित संगठनों ने फेयरवे क्वेस्ट का समर्थन किया,जिसमें शुभाशीष होम्स प्रमुख प्रायोजक,ग्लोबल पीस फाउंडेशन,निक बेकर्स,ऑलिव प्लैनेट,रिवाइवा,कौशिक एयरो स्पोर्ट्स,बीएसजी ग्रुप ऑफ होटल्स पोरवोरिम गोवा,पुष्कर बाग पुष्कर,डेंटल सेवा क्लिनिक आदि शामिल हैं।

आरपीसी ने एसएमएस पोलो अकेडमी को हराया

जयपुर, 10 मार्च। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर आरपीसी कप (आउट ऑफ हैट) के अंतर्गत टीम आरपीसी और एसएमएस पोलो अकेडमी के बीच मुकाबला हुआ। मैच के दौरान टीम आरपीसी ने एसएमएस पोलो अकेडमी को 11-8.5 के स्कोर से हराया। विजेता टीम आरपीसी के लिए महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार 6 गोल किए। रणशय पुरोहित ने 3 गोल और संजुला मान 2 गोल किए। टीम से सूरज जाजू भी खेले। वहीं, टीम एसएमएस पोलो अकेडमी की ओर से दिव्यमान सिंह दुजोद और शुभम गुप्ता ने 2-2 गोल किए। भावना चौहान ने 1 गोल किया। टीम में मयूरध्वज सिंह तलाबगांव भी शामिल थे। टीम एसएमएस पोलो अकेडमी को 3.5 गोल का एडवांटेज मिला। गौरतलब है कि इस कप के लिए कल, 11 मार्च को राजस्थान

पोलो ग्राउंड पर दो टीमों पीपीसी और कृष्णा पोलो के बीच मुकाबला होगा। कप के लिए फाइनल का मुकाबला रविवार, 16 मार्च को खेला जाएगा।

राजस्थान

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने 13858 अपात्र लोगों को बांटी थी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि : दक

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने 5 साल में 13858 लोगों को 8 करोड़ 26 लाख 66 हजार रुपए का प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के फर्जी भुगतान किया था। यह जवाब सोमवार को विधानसभा में सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने दिया। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में वर्ष 2019 से 2023 तक की समयावधि में 13 हजार 858 अपात्र व्यक्तियों को 8 करोड़ 26 लाख 66 हजार की राशि का भुगतान किया गया है। फर्जी भुगतान उठाने और फर्जी भुगतान करने वालों दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अनुचित लाभ लेने वाले अपात्र व्यक्तियों से शीघ्र वसूली की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पाली जिले में किसान सम्मान निधि के तहत अनुचित तरीके से राशि हस्तांतरण किये जाने के प्रकरण की जांच के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीलिंग को नियुक्त किया गया है। जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि योजना के प्रारंभ में कृषक द्वारा दिए गए घोषणा पत्र के आधार पर ही लाभ राशि का हस्तांतरण कर दिया जाता था। बाद में भूमि की रिपोर्ट अपलोड करना भी अनिवार्य किया गया। केंद्र सरकार द्वारा भी अपात्र व्यक्तियों से सम्मान निधि की राशि वसूलने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच पाली में अपात्र व्यक्तियों को दिए गए लाभ के प्रकरण संज्ञान में आने के बाद पाली जिला कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार देसूरी, मारवाड़ जंक्शन और रानी में एफआईआर दर्ज करवाई गयी है।

इससे पहले विधायक केसाराम चौधरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत कुल 13 हजार 858 अपात्र व्यक्तियों के आवेदन पंजीकृत है, जिन्हें योजना के तहत विभिन्न किश्तों के माध्यम से 826.66 लाख राशि का लाभ प्राप्त हुआ है। उन्होंने इन अपात्र व्यक्तियों को की गयी हस्तान्तरित राशि का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि इन 13 हजार 858 अपात्र व्यक्तियों में से 13 हजार 720 व्यक्तियों के नाम ऐसे हैं, जो उन गांवों के निवासी नहीं हैं। इस प्रकरण की जांच के लिए जिला कलेक्टर पाली को निर्देशित किया गया है।

- विधायक केसाराम चौधरी के प्रश्न पर सदन में सहकारिता मंत्री ने जवाब दिया

शून्यकाल में विधायकों ने ओलावृष्टि और पेयजल संकट समेत कई समस्याएं रखी

जयपुर। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को शून्यकाल में विभिन्न विधायकों ने अपने क्षेत्रों की समस्याओं को सदन में उठाया। सदन में जनहित के मुद्दों पर जमकर चर्चा हुई, जहां बिजली के लिए अवाप्त भूमि, ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान, पेयजल संकट और इंफ्रास्ट्रक्चर की समस्याएं समेत बुनियादी सुविधाओं को लेकर विधायकों ने सदन के समक्ष अपनी बात रखी।

श्रीगंगानगर में हैंडबॉल एकेडमी की मांग

सादुलशहर के विधायक गुरवीर सिंह ने सदन से मांग करते हुए कहा कि वे श्रीगंगानगर में फिर से हैंडबॉल एकेडमी की मांग रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस खेल का देश का सबसे बड़ा हब लालगढ़ जटान गांव है, जहां से 30 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और 250 से ज्यादा राष्ट्रीय खिलाड़ी आते हैं। इस गांव के खिलाड़ी एशियाड भी खेल चुके हैं और दो खिलाड़ियों को महाराणा प्रताप अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने खेल और खिलाड़ियों के हित में इसे फिर से स्थापित करने की मांग रखी।

बिजली लाइन से प्रभावित किसानों का मुद्दा गूंजा

मंडावा विधायक रीटा चौधरी ने बिजली की लाइन से प्रभावित किसानों का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की जमीन अधिग्रहण कर ली गई, लेकिन उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों को डीएलसी दर का चौगुना मुआवजा दिया जाना चाहिए। रीटा चौधरी बोलीं कि उचित मुआवजे की मांग को लेकर किसान लगातार धरने पर बैठे हैं, उनकी बात सुनी जानी चाहिए।

अनुसूचित जनजाति की छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाया

वहीं, बामनवास से विधायक इंदिरा मीणा ने अनुसूचित जनजाति की छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाया।उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने अब तक महज 96 लाख रुपए ही स्कॉलरशिप के नाम से जारी किए हैं, वहीं इस सरकार के कार्यकाल के दौरान 6 हजार से ज्यादा छात्रों के आवेदन निरस्त हुए हैं।

किसानों को मुआवजा देने की मांग

रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने अपने विधानसभा क्षेत्र में ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य के कई हिस्सों में 80 प्रतिशत तक फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है. उन्होंने सरकार से किसानों के लिए मुआवजा पैकेज घोषित करने की मांग की।

पश्चिमी राजस्थान के मुद्दे भी छाए

शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने शिव विधानसभा क्षेत्र में पेयजल संकट को लेकर विशेष पैकेज की मांग की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 1000 फीट गहराई तक ट्यूबवेल खुदाई के लिए विशेष स्वीकृति दी जानी चाहिए, ताकि जनता को राहत मिल सके। इस दौरान जैसलमेर विधायक छोटू सिंह ने सदन में बारानी भूमि का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में खेती योग्य जमीन के लिए विशेष योजनाओं की जरूरत है, ताकि किसानों को अधिक लाभ मिल सके।

गोविंदगढ़ क्षेत्र में जल भराव की समस्या

सदन में बोलते हुए चौमूं विधायक शिखा बराला ने गोविंदगढ़ क्षेत्र में हाईवे फ्लाईओवर के नीचे जलभराव की समस्या पर सदन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि व्यापारी और स्थानीय लोग कई वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

श्री गलताजी तीर्थ में दिव्यता की अनुभूति : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार श्री गलतातीर्थ में दीप महाआरती में शामिल हुए।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि फाल्गुन के महीने में हर व्यक्ति आनंद में उत्साहित रहता है और होली के रंगों में रंग जाता है। उन्होंने कहा कि श्री गलताजी तीर्थ में फागोत्सव का आयोजन विशिष्ट है और यह राज्य सरकार के धार्मिक महत्व के स्थानों के विकास और संरक्षण के प्रति दृढ़संकल्प का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री सोमवार को श्री गलताजी तीर्थ में आयोजित ब्रज-अवध फागोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि श्री गलताजी का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। यहां दिव्यता व भव्यता की अनुभूति होती है। आमजन की आस्था है कि यहां स्थित कुण्डों में स्नान करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कियहां भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और हनुमानजी के मंदिर हैं, जो अवधपुरी और ब्रज के एक साथ होने की अनुभूति देते हैं।

शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के साथ-साथहमारी गौरवशाली विरासत का संरक्षण भी हो रहा है। राज्य सरकार भी इसी दिशा में कार्य करते हुए प्रदेश के धार्मिक महत्व के स्थलों का विकास एवं संरक्षण कार्यप्रतिबद्धता के साथ कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सीताराम जी मंदिर और ज्ञान गोपाल जी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और गो सेवा भी की। उन्होंने फागोत्सव में भजनों-गीतों का श्रवण किया तथा दीप महाआरती में शामिल हुए।इस दौरानजनप्रतिनिधिगण, देवस्थान सचिव डॉ. कृष्ण कांत पाठक,जिला कलेक्टर श्री जितेंद्र सोनी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गोविंददेवजी मंदिर में पुष्प फाग में 40 से अधिक कलाकारों ने दीं प्रस्तुतियां

जयपुर। आराध्य देव गोविन्द मंदिर में मनाए जा रहे फागोत्सव में वृंदावन, मथुरा और बरसाने की होली साकार हो उठी। दो दिवसीय 24वें पुष्प फाग में कोलकाता, शेखावाटी और जयपुर के करीब चालीस कलाकारों की एक से बढक़र एक प्रस्तुतियां देखकर श्रद्धालु श्रोता निहाल हो उठे। पुष्प फाग के लिए मंदिर के सत्संग भवन को फूलों और सतरंगी चुनरी से सजाया गया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी, मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुरजी के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर कोलकाता से आए शेखावाटी मूल(गुढ़ा गौडज़ी, झुंझुनूं) के प्रख्यात बाल व्यास श्रीकांत शर्मा का तिलक, साफा, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। सभी संगतकारों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक बाल कृष्ण बालासरिया ने बताया कि श्रीकांत शर्मा ने नवीनतम भजन रचनाओं की ऐसी कर्णप्रिय सुरीली प्रस्तुतियां दी कि श्रोता सुध बुध खो बैठे। भजनों की स्वर लहरियों पर नृत्य की जुगलबंदी ने लोगों को एकटक निहारने पर मजबूर कर दिया। श्रीकांत शर्मा ने गणेश वंदना से मंगला चरण किया।

'क्यों ना अवमानना के लिए दंडित किया जाए'

जयपुर। हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद रेलवे सुरक्षा बल के कांस्टेबल को सभी परिलाभों के साथ पुन: सेवा में नहीं लेने को गंभीर माना है। अदालत ने उन्हें 12 मार्च को पेश होने को कहा है। अदालत ने संभागीय सुरक्षा आयुक्त को शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि क्यों न अदालती आदेश की अवमानना करने पर उन्हें दंडित किया जाए। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश रणवीर सिंह की अवमानना याचिका पर दिए।

मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने किया सदन से वॉक आउट

जयपुर। विधानसभा में सोमवार को कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में देरी एवं इस संबंध में मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर सदन का बहिर्गमन (वॉक आउट) किया।

प्रश्नकाल में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत इस संबंध में पूछे गये प्रश्न के पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस सदस्य उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और सदन से बहिर्गमन कर गए। इससे पहले जूली ने कहा कि सरकार को आये डेढ़ साल हो गए लेकिन अब तक सिर्फ समीक्षा ही कर रहे हैं और जवाब देने के बजाय केवल भाषण दिए जा रहे हैं। इस दोनों पक्षों की ओर से बोलने पर सदन में शोर शराबा और हंगामा हुआ।

विधायक रफीक खान द्वारा अनुप्रति योजना में देरी का मुद्दा उठाने पर मंत्री अविनाश गहलोत ने इसका जवाब दिया लेकिन रफीक खान इससे संतुष्ट नहीं हुए और कहा कि फरवरी तक सभी छात्रों का रजिस्ट्रेशन पूरा होना चाहिए था लेकिन अब तक न तो रजिस्ट्रेशन हुआ और न ही भुगतान। छात्रों के छह महीने खराब हो गए, इसका जिम्मेदार कौन है।

इस पर मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि इस योजना में 30 हजार के लक्ष्य के मुकाबले 67 हजार 427 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार का पूरा प्रयास है कि लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मई से पोर्टल खोल दिया जायेगा।

'अगले वर्ष हर श्रेणी में बीमित पशुओं की संख्या दोगुनी की जायेगी'

गौशालाओं की अनुदान राशि के लिये गौपालकों व संतों ने मुख्यमंत्री भजनलाल का आभार प्रकट किया

जयपुर, 10 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गौमाता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। हाल में पेश किए गए राज्य के बजट में गौमाता और पशुपालकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रदेशभर में संचालित गौशालाओं तथा नंदीशालाओं के लिए प्रति पशु अनुदान राशि को इस वर्ष 15 प्रतिशत बढ़ाकर 50 रूपये प्रतिदिन करने का फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर गौशालाओं की अनुदान राशि बढ़ाने पर आयोजित आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने पिछले साल गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ की थी, जिसमें गौवंश हेतु शैड, खेली निर्माण तथा दुग्ध, चारा, बांटा संबंधी उपकरण खरीदने के लिए एक लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। हम आगामी वित्त वर्ष में भी ढाई लाख गोपालक परिवारों को इस योजना का लाभ मुहैया कराएंगे। शर्मा ने कहा कि गोपालकों को और अधिक राहत देते हुए, गोपाल क्रेडिट कार्ड के लिए जरूरी सभी दस्तावेजों पर स्टांप ड्यूटी माफ करने और योजना के प्रावधानों को सरल बनाने का भी बजट में प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान का प्रवासी भी देश-दुनिया में अपनी मिट्टी से जुड़ा हुआ है तथा प्रवासियों ने हर जगह गौशालाएं बनायी हैं, जिससे गौसेवा के पुण्य कार्यों को बढ़ावा दिया जा सके।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश के पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए शुरू की गई 'मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना' के दायरे को बढ़ाते हुए, आगामी वित्त वर्ष में प्रत्येक श्रेणी में बीमित पशुओं की संख्या दोगुनी की जाएगी।

भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर गौशालाओं की अनुदान राशि बढ़ाने पर आयोजित आभार सभा को संबोधित किया। उन्होंने सभा में आए संतों के साथ फूलों की होली खेली, चंग बजाकर होली के गीत गाए तथा सभी को होली की बधाइयां दीं।

- **आभार सभा से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल ने गौ-पूजा की तथा संत-महंतों का आशीर्वाद लिया। उन्होंने सभी के साथ फूलों की होली खेली व चंग बजाकर होली के गीत गाये।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल शुरु की गई गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में अगले वर्ष ढाई लाख गौपालक परिवारों को ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।**

आभार सभा में आए संतों ने मुख्यमंत्री द्वारा गौ-संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री ने गौसेवा का एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। गत सरकार में गौ भक्तों को गौ-संरक्षण के लिए आंदोलन करना पड़ता था, लेकिन इस सरकार में हमारे लिए आशीर्वाद कार्यक्रम हो रहे हैं।

कार्यक्रम से पूर्व, मुख्यमंत्री ने गौ-पूजा की तथा संत-महन्तों से आशीर्वाद लिया। संतों ने मुख्यमंत्री को दुपट्टा ओढ़ाकर उनका आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने उल्लासपूर्वक सभी के साथ फूलों की होली खेली, चंग बजाकर होली के गीत गाए तथा सभी को होली की बधाइयां दीं।

न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री 16 को भारत आयेंगे

नयी दिल्ली, 10 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन 16-20 मार्च के दौरान भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि लक्सन के साथ, उनकी सरकार के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, व्यवसायियों, मीडिया और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों सहित न्यूजीलैंड का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा।

प्रधानमंत्री के रूप में लक्सन की यह पहली भारत यात्रा होगी। वे 20 मार्च को वेलिंगटन लौटने से पहले मुंबई भी जाएंगे। लक्सन 17 मार्च को मोदी के साथ भारत-न्यूजीलैंड संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर द्विपक्षीय बैठक करेंगे। मोदी गणमान्य अतिथि के सम्मान में दोपहर के भोजन की मेजबानी करेंगे। वे उसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी भेंट करेंगे।

- **वे 17 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी के साथ भारत-न्यूज़ीलैंड संबंधों पर द्विपक्षीय बैठक करेंगे।**

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री 17 मार्च को अपराह्न नई दिल्ली में 10वीं रायसीना संवाद 2025 के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य भाषण देंगे। वे 19-20 मार्च को मुंबई में रहेंगे, जहां वे भारतीय व्यापारिक नेताओं और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच लंबे समय से और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है। यह सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा हमारे लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों को गहरा करने के लिए दोनों देशों की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

जस्टिस जॉयमाल्या बागची सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त

- **न्यायमूर्ति बागची 2011 में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने थे तथा अभी कलकत्ता हाई कोर्ट में नियुक्त थे।**
- **वे 2 अक्टूबर 2031 को सेवानिवृत्त होंगे तथा मई 2031 में वे भारत के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं।**

नयी दिल्ली, 10 मार्च। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची को उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से सोमवार को अधिसूचना जारी कर कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बागची की पदोन्नित संबंधी घोषणा की। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी सोशल मीडिया एक्स पर उनकी इस पदोन्नित की घोषणा से संबंधित जानकारी साझा की है।

न्यायमूर्ति बागची के शपथ ग्रहण के साथ ही, शीर्ष अदालत के लिए स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या के मुकाबले न्यायाधीशों की संख्या 33 हो जाएगी। न्यायमूर्ति बागची दो अक्टूबर 2031 को सेवानिवृत्त होंगे, उससे पहले वे मई (2031) में भारत के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं।

शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले न्यायमूर्ति भूषण आर गवई, न्यायमूर्ति, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ के कॉलेजियम ने छह मार्च को न्यायमूर्ति बागची को पदोन्नत कर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशपद पर नियुक्ति की सिफारिश की थी।

न्यायमूर्ति बागची को बतौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, कानून के विविध क्षेत्रों में 13 वर्षों का व्यापक अनुभव प्राप्त है। उन्हें जून 2011 में कलकत्ता उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। जनवरी 2021 में उन्हें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया गया और फिर नवंबर 2021 में उन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय में वापस भेज दिया गया।

'1247 शराब की दुकानों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुटबाजी (कटिलाइजेशन) को रोका जा सके। उन्होंने अदालत को बताया कि पूर्व में कई व्यवसायी मिलकर शराब की दुकानों के 'क्लस्टर' में कुछ दुकानों को खरीदते नहीं थे, जिससे पूरे 'क्लस्टर' की दरें गिर जाती थी, और राज्य सरकार को राजस्व की हानि होती थी। उन्होंने अदालत को बताया कि कुछ दुकानें, जो नहीं बिकी होती थीं, उन दुकानों से गैरकानूनी तरीके से शराब बेची जाती थी, और राज्य सरकार को राजस्व में और भी हानि होती थी। इस समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने नई नीति में 70 प्रतिशत "रिन्यूअल" की शर्त लगाई है। उन्होंने अदालत को बताया कि नई नीति के अनुसार, किसी भी जिले में अगर 70 प्रतिशत शराब की दुकानें नीलामी में पुराने व्यवसायियों ने ही खरीदी हो, तो इनको बची हुई दुकानें खरीदने का विकल्प दिया जाता है, ताकि ऐसी परिस्थिति ना उत्पन्न हो कि कुछ दुकानें अनबिकी रह जाएं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने 11 मार्च को होने वाली दुकानों की नीलामी पर रोक से इनकार दिया है और कहा है कि याचिकाकर्ता भी नीलामी में हिस्सा ले सकते हैं।

कोचिंग सैन्टर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि कोचिंग सेंटरों पर नियंत्रण और विद्यार्थियों को संबल व सुरक्षा देने के उद्देश्य से दी राजस्थान कोचिंग सेंटर्स कंट्रोल एंड रेगुलेशन बिल, 2025 गत दिनों मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट मीटिंग में पास हो गया है। इस बिल को कानूनी मान्यता देने के लिए, इसे इसी विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। ऐसे में मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाली जाए। इस पर अदालत ने मामले में की सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाल दी है। गौरतलब है कि विद्यार्थियों को संबल और सुरक्षा देने के लिए बनाए गए इस बिल में विद्यार्थियों के लिए कई कल्याणकारी प्रावधान किए गए हैं। वहीं, कोचिंग सेंटरों पर पर नियंत्रण करने के लिए कई बिंदु शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन भी बनाई जाएगी। दरअसल, कोचिंग सेंटरों के विद्यार्थियों द्वारा आए दिन आत्महत्या करने की घटनाओं को देखते हुए, हाईकोर्ट ने साल 2016 में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए मामले की जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई शुरु की थी।

वानुआतू प्रधानमंत्री ने ललित मोदी का पासपोर्ट रद्द किया

- **प्रधानमंत्री जोथम नापत ने कहा कि वानुआतू का पासपोर्ट एक विशेषाधिकार है, न कि अधिकार। आवेदकों को नागरिकता के लिए वैध कारण दिखाने चाहिये।**
- **प्रधानमंत्री ने कहा, "मैंने नागरिकता आयोग को मोदी के वातुआतू पासपोर्ट को रद्द करने की कार्यवाही तुरंत शुरु करने का निर्देश दिया है।**

नई दिल्ली, 10 मार्च। वानुआतू के प्रधानमंत्री जोथम नापत ने नागरिकता आयोग को पूर्व आईपीएल प्रमुख और भगोड़े ललित मोदी को जारी वानुआतू पासपोर्ट रद्द करने का निर्देश दिया है। रिपोर्टों और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक कथित प्रेस विज्ञिप्त के अनुसार प्रधानमंत्री नापत ने कहा कि हालांकि जांच में कोई आपराधिक दोष सिद्ध नहीं हुआ है, लेकिन हाल ही में उन्हें बताया गया कि इंटरपोल ने अपर्याप्त साक्ष्य के कारण ललित मोदी पर अलर्ट जारी करने के भारतीय अनुरोधों को दो बार अस्वीकार कर दिया है।

प्रेस विज्ञिप्त में प्रधानमंत्री के हवाले से कहा गया है, मैंने नागरिकता आयोग को मोदी के वानुआतु पासपोर्ट को रद्द करने की कार्यवाही तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया है। इस तरह की कोई भी चेतावनी ललित मोदी के नागरिकता आवेदन को स्वतः ही अस्वीकार कर दिया है।

उन्होंने कहा है कि वानुआतू का पासपोर्ट एक विशेषाधिकार है, न कि अधिकार, और आवेदकों को वैध कारणों से नागरिकता दिखानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में उनकी सरकार ने निवेश कार्यक्रम के माध्यम से अपने देश की नागरिकता के लिए उचित प्रक्रिया को मजबूत किया है। बयान में कहा गया है कि अद्यतन प्रक्रिया में इंटरपोल सत्यापन सहित ट्रिपल-एजेंसी जांच शामिल है।

वानुआतु दक्षिण प्रशांत महासागर में एक द्वीप राष्ट्र है, जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व और न्यूजीलैंड के उत्तर में स्थित है। इसमें 83 द्वीपों का एक द्वीपसमूह शामिल है, जिनमें से 65 पर लोग रहते हैं।

हाई कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदेश दिया गया था, वह रिपोर्ट तथ्यात्मक रूप से गलत, त्रुटिपूर्ण और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ थी। ऐसे में 25 फरवरी के आदेश के रिव्यु या उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के लिए समय दिया जाए और इस दौरान इस खंडपीठ की ओर से गत 7 मार्च को दिए गए यथास्थिति के आदेश को जारी रखा जाए। इस पर अदालत ने कहा कि 25 फरवरी को दिया गया आदेश खंडपीठ का था और यह भी उसके समान ही खंडपीठ है। इसलिए वह उस आदेश के खिलाफ आदेश नहीं दे सकती। गौरतलब है कि मामले में प्रसंज्ञान लेने के बाद, नगर निगम ने परकोटे के भवनों को लेकर तीन तरह की सूची बनाई थी। पहली सूची में उन 19 इमारतों को शामिल किया गया था, जो पूरी तरह अवैध हैं। हाईकोर्ट की दूसरी खंडपीठ ने गत 25 फरवरी को इन इमारतों को सील करने के आदेश दिए थे। वहीं, इस खंडपीठ ने गत 7 फरवरी को मामले में अंतरिम रूप से यथा-स्थिति के आदेश दिए थे।

बंधकों की रिहाई के लिये इज़रायल ने गाज़ा की बिजली बंद की

- **इज़रायल के अनुसार, अब भी 59 बंधक हमास की कैद में हैं, जिनमें से 24 के जीवित होने का अनुमान है।**

यरूशलम, 10 मार्च। इज़रायल ने रविवार को घोषणा की कि वह हमास पर बंधकों को रिहा करने के लिए दबाव डालने के लिए गाज़ा पट्टी की बिजली आपूर्ति बंद कर रहा है। इज़रायली ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने एक वीडियो बयान में कहा, मैंने अभी-अभी गाज़ा को बिजली की आपूर्ति तुरंत रोकने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य हमास पर उन लोगों को रिहा करने का दबाव बनाना है, जो अब भी गाज़ा में बंधक हैं।

इज़रायली आंकड़ों के अनुसार, अब भी 59 बंधक हमास की कैद में हैं, जिनमें से लगभग 24 के जीवित होने का अनुमान है। कोहेन ने कहा, हम सभी बंधकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करेंगे और गारंटी देंगे कि हमास (युद्ध) के अगले दिन गाज़ा में नहीं रहेगा।

ऊर्जा मंत्री ने सार्वजनिक रूप से जारी किये गये एक पत्र में देश के स्वामित्व वाली इज़रायल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन को गाज़ा को बिजली की बिक्री बंद करने का निर्देश दिया। उनके प्रवक्ता ने बताया कि यह आदेश तुरंत प्रभावी हो जाएगा।

गौरतलब है कि इज़रायल ने दो मार्च को इजरायल-हमास युद्ध विराम का पहला 42-दिवसीय चरण समाप्त होने के साथ ही गाज़ा में खाद्य सामग्री सहित सहायता शिपमेंट को रोक दिया है।

हमास के अधिकारी तीन-चरण वाले युद्ध विराम के कार्यान्वयन पर नजर के लिए मिस्र और अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। हमास ने गाज़ा पट्टी में बिजली आपूर्ति बंद करने के इज़रायल के फैसले को 'सस्ता ब्लैकमेल' और गाज़ा पट्टी में संघर्ष विराम समझौते का 'स्पष्ट उल्लंघन' करार दिया है। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य इज्जत अल-रिशेक ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, बिजली आपूर्ति में कटौती, क्रॉसिंग बंद करना, सहायता, राहत और ईंधन के प्रवेश को रोकना और हमारे लोगों को भूखा रखना सामूहिक दंड देने का प्रयास है, जो एक पूर्ण अपराध है।

बिहारः तनिष्क शोरुम में 25 करोड़ रूपए की लूट

आरा (भोजपुर), 10 मार्च। बिहार में आरा के गोपाली चौक स्थित तनिष्क शोरूम से सोमवार को 6 बदमाश 25 करोड़ की ज्वेलरी लूट ले गए। बदमाशों का पीछा कर रही पुलिस ने फायरिंग की। दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके पास से दो झोला ज्वेलरी बरामद की गई। 4 बदमाश बाकी ज्वेलरी लेकर भाग गए। शोरूम के स्टोर मैनेजर कुमार मृत्युंजय ने बताया, शोरूम में 50 करोड़ से ज्यादा के जेवरात थे। अपराधियों ने 25 करोड़ के गहने लूट लिए।

सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे 3 बाइक से आए 6 बदमाशों ने शोरूम के बाहर खड़े गार्ड के साथ मारपीट कर उसका हथियार भी छीन लिया।

शोरूम में घुसते ही शटर अंदर से बंद करके करीब 22 मिनट तक दोनों फ्लोर पर लूटपाट की। भोजपुर के राज ने बताया, पुलिस ने शोरूम के अंदर लूट की फोटो वॉट्सऐप ग्रुप में शेयर की थी। बड़हरा थाना पुलिस ने बबुरा छोटे पुल के पास 3 बाइक पर 6 संदिग्धों को देखा। उनके रोकने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी फायरिंग की। इसमें 2 बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके पास से 2 पिस्टल, 10 कारतूस, 2 बड़े झोले में तनिष्क शोरूम से लूटे गए जेवरात मिले हैं। इनके नाम सारण जिले के दिघवारा निवासी विशाल गुप्ता और सोनपुर के सेमरा निवासी कुणाल कुमार हैं।

जेईएन भर्ती पेपर ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर्याप्त सबूतों का अभाव है। मामले में पेश चार आरोप पत्रों में भी उसका नाम नहीं है। इसके अलावा, सह आरोपियों के बयान के अतिरिक्त याचिकाकर्ता से ऐसी कोई सामग्री बरामद नहीं हुई, जिससे यह साबित हो सके कि वह जेईएन परीक्षा का पेपर लीक करने और उसे वितरित करने में सीधे तौर पर शामिल था। ऐसे में सिर्फ क्रिमिनल बैकग्राउंड याचिकाकर्ता की जमानत को खारिज करने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता है।

जमानत याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता वीआर बाजवा ने अदालत को बताया कि मामले में साल 2020 में एफआईआर दर्ज हुई थी और उसे 29 फरवरी, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। इन चार सालों में जांच जारी रही और कई लोगों के खिलाफ कुल पांच आरोप पत्र पेश हुए। ये सभी आरोप पत्र उसकी गिरफ्तारी से पूर्व पेश हुए थे और इनमें जांच लंबित रखने वाले आरोपियों की सूची में भी याचिकाकर्ता का नाम नहीं था। याचिकाकर्ता की भूमिका को लेकर जांच एजेंसी के पास याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य भी नहीं है। याचिकाकर्ता और अन्य के खिलाफ पेश आरोप पत्र में दर्जनों गवाह हैं। इसलिए मुकदमे की सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगेगा। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता अन्य सह आरोपियों से मिला हुआ है। आरोपी ने परीक्षा से पूर्व पेपर को परीक्षार्थियों तक पहुंचाया। इसके अलावा याचिकाकर्ता का पेपर लीक के मामलों का लंबा इतिहास रहा है। इसलिए उसकी जमानत याचिका को खारिज किया जाए। सभी पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

बम की धमकी के कारण एयर इण्डिया का विमान वापस लौटा

मुंबई, 10 मार्च। मुंबई से न्यूयॉर्क जाने वाले एयर इंडिया के विमान (एआई119) को सोमवार को बम की धमकी के बाद बीच उड़ान से ही वापस लौटना पड़ा।

एयर इंडिया के बयान के अनुसार, उड़ान भरने के आठ घंटे बाद विमान के शौचालय में विस्फोट की धमकी भरा नोट मिला। बोइंग 777 विमान, जिसमें 303 यात्री और 19 चालक दल के सदस्य सवार थे, अजरबैजान के ऊपर से उड़ रहा था। उसी दौरान, विमान ने अपना रास्ता बदला और मुंबई लौट आया। लैंडिंग के बाद, विमान की जांच की गई, लेकिन बाद में पता चला कि धमकी भरा अलर्ट झूठ था।

मुंबई पुलिस के जोन-8 के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि की और कहा कि यह शौचालय में पाया गया एक सामान्य धमकी भरा नोट है। प्रक्रिया के अनुसार आगे की जांच जारी है।

एयरलाइन के अनुसार, अब विमान 11 मार्च को सुबह पांच बजे उड़ान भरेगा।

एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि संभावित सुरक्षा खतरे के बाद मुंबई लौटने का फैसला लिया गया। बयान के मुताबिक, यात्रियों को आवास, भोजन और अन्य सहायता प्रदान की गई है।

पंजाब में किसानों ने मंत्रियों व विधायकों के घरों का घेराव किया

- **किसानों ने मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा 3 मार्च को किसानों के साथ बैठक अधूरी छोड़ने की आलोचना की।**
- **किसानों ने कहा, पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार किसानों की आवाज़ दबा रही है।**

चंडीगढ़ , 10 मार्च। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की अगुवाई में किसान आज पंजाब के सभी मंत्रियों व आप विधायकों के घरों का घेराव किया। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर विभिन्न जत्थेबंदियों ने भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के नेतृत्व में सुनाम में आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, दिडबा में वित्त मंत्री हरपाल चीमा, लहरागागा में कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल के घरों के बाहर धरने दिए।

किसान नेताओं ने सरकार पर किसानों की आवाज दबाने के आरोप लगाए । किसानों की महत्वपूर्ण मांगों को लेकर 5 मार्च को चंडीगढ़ में आंदोलन किया जाना था, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री के निर्देश पर पंजाब पुलिस ने 4 मार्च को ही किसानों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया और 5 मार्च को जब किसानों ने चण्डीगढ़ की ओर कूच किया तो पुलिस ने छापे मारकर और दीवारें लांघकर कई किसानों को गिरफ्तार कर लिया।

सुनाम में धरने को संबोधित करते जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा कि संघर्षों को डंडे और सत्ता के जोर से कभी नहीं दबाया जा सकता। किसानों का आंदोलन जारी रहेगा । मुख्यमंत्री अपनी बचकानी आदतों का त्याग करें अन्यथा लोग के पास बड़ी शक्ति है। इस मौक़े पर बड़ी संख्या में किसान, मजदूर, युवा और माताएं मौजूद थीं।

संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर किसानों ने सोमवार को मुक्तसर जिले के तीन विधायकों की कोठियों का घेराव करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी किसान नेताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 3 मार्च को किसानों के साथ बैठक बीच में अधूरी छोड़ दी थी। ये बैठक बेनतीजा रहने से किसानों में रोष है।

टैंकर-जीप...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे। टैंकर सीधी से बहरी की ओर जा रहा था। रात करीब ढाई बजे उपनी पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने से टक्कर हो गई।

कांग्रेस की अटपटी स्थिति हो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोध करते है। मर्जी हो तो हम हिंदी सीखते हैं, जैसे मैंने सीखी है। हिंदी देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हो सकती है। पर, यह राष्ट्रभाषा नहीं है। उन्होंने कहा, हिंदी के बाद तेलुगू है, जो सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है, तो केन्द्र सरकार उसे प्रमोट क्यों नहीं करती है।

कर्नाटक सरकार ने भी त्रिभाषा फॉर्मूला का विरोध किया है और दोभाषा फॉर्मूला का समर्थन किया है। कर्नाटक में कुछेक घटनाएं हुईं, जहाँ हिंदी बोलने वाले उत्तर भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं हुईं थीं।

भाषा मुद्दे पर तमिलनाडु और केन्द्र सरकार कोई भी एक इंच भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। तमिलनाडु का तर्क है कि हिंदी के बिना भी राज्य के शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है तो वह हिंदी भाषा क्यों पढ़े। तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री पी. त्यागराजन ने कहा कि हिंदी बैल्ट के कितने छात्र है, जो दो भाषाओं में माहिर है। पहले दो भाषाएं सीखिए, फिर हम तीन भाषाओं की बात करेंगे। उन्होंने कहा, उत्तर भारत के अधिकांश विद्यार्थी एक भाषा में भी पारंगत नहीं है कि वे उसे सही तरीके से लिख-पढ़ सके।

सोमवार को भाषा मुद्दा संसद पहुँच गया। द्रमुक सांसदों ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर सीधा हमला बोला, क्योंकि उन्होंने केन्द्र व राज्य के बीच केन्द्र द्वारा तमिलनाडु के भाषा के गतिरोध पर बोलते हुए असभ्य व अलोकतांत्रिक शब्द का प्रयोग किया था। उनके शब्दों से द्रमुक सांसद भड़क गए। उन्होंने शिक्षा मंत्री पर तमिलों का अपमान करने का आरोप लगाया।

स्टालिन ने भी मंत्री पर अक्खड़ व्यवहार का आरोप लगाया। लोकसभा में द्रमुक की नेता कनिमोई ने कहा कि वे इस बात से बेहद आहत और दुखी हैं कि शिक्षा मंत्री ने तमिल सांसदों, तमिल सरकार और तमिल लोगों को असभ्य कहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हमारी मीटिंग में मुख्यमंत्री स्टालिन ने साफ कह दिया था कि त्रिभाषा फॉर्मूला स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस बारे में पत्र लिखा और फंड जारी करने का आग्रह किया। स्टालिन ने अपने बयान में कहा कि "क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तमिलनाडु की जनता का अपमान स्वीकार्य है।"

पत्रकारों से बात करते हुए कनिमोई ने कहा, मंत्री "फेक" न्यूज़ से ध्यान भटका रहे हैं, उनके अपमानजनक भाषण की निंदा की जानी चाहिए।

तिरूवल्लूर के सांसद शशिकांत सैंथिल ने एक वीडियो जारी कर कहा कि उनके शब्दों से उनकी सर्वोच्चतावादी मानसिकता झलकती है। यह स्पष्ट है कि इसी मानसिकता से केन्द्र सरकार तमिलनाडु पर राज करती है।

राहुल गाँधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूची में डुप्लीकेट नामों का नया साक्ष्य सामने आ गया है, जो और भी ज्यादा गंभीर प्रश्न खड़े कर रहा है।" लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि लोकतंत्र तथा संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिये यह चर्चा बहुत महत्वपूर्ण है। ईपीआईसी में डुप्लीकेशन को लेकर कांग्रेस सहित, विपक्षी दलों द्वारा की जा रही आलोचना के परिणामस्वरूप, ईसीआई ने कहा है कि "लम्बे समय से लम्बित" इस मुद्दे का समाधान अगले तीन महीनों में हो जायेगा।

अहमदाबाद-मुम्बई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जापान और भारत ने अभी तक एमएएचएसआर कॉरिडोर पर लगने वाले सिग्नलिंग सिस्टम्स से संबंधित एग्रीमैंट पर भी विचार-विमर्श नहीं किया है। जापान "लीकी केबल" सिस्टम्स पर अड़ा हुआ है, जो शिंकनसेन ट्रेनों में परम्परागत रूप से से काम में लिये जाते थे, जबकि भारत सरकार ईसीटीएस-2 सिस्टम्स को काम में लेने पर विचार कर रही है, जो दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल ट्रांज़िट सर्विस (आरआरटीएस) लाइन, जो पूर्ण होने को है, में काम में लिये जा रहे हैं।

ट्रम्प के मनमर्ज़ी वाले निर्णय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नेतृत्व में एक स्वतंत्र नीति मार्ग अपनाने की कोशिश की थी, लेकिन, अब कुछ बदलावों की आशंका जताई जा रही है।

कैनडा की लिबरल पार्टी के नेता चुने गए कार्नी, पहले बैंक ऑफ कैनडा के गवर्नर थे तथा उसके बाद बैंक ऑफ इंगलैण्ड के एक उच्च प्रोफाइल व अंतर्राष्ट्रीय रूप से सम्मानित गवर्नर थे।

पार्टी का नेता चुने जाने के तुरंत, बाद कार्नी ने यू. एस. टैरिफ वॉर और आर्थिक हमलों से लड़ने की अपनी बुनियादी रणनीति निर्धारित की। कार्नी ने ट्रम्प टैरिफ के जवाब में सख्त कदम उठाने का वादा किया है।

वे कैनडा के लोगों की वर्तमान अमेरिका विरोधी भावनाओं का लाभ उठाते हुए, अर्थव्यवस्था पर लड़ाई लड़ने के लिए कई उपायों को लागू करने का वादा कर रहे हैं। नेता चुने जाने के बाद अपने भाषण में कार्नी ने समूची लड़ाई को, यह कहते हुए, पूरी तरह से आर्थिक रूप दिया कि ट्रम्प कैनडा के साधारण परिवारों की आजीविका को लक्ष्य बना रहे हैं।

इसका मतलब है कि कैनडा, अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगा सकता है, ताकि इन वस्तुओं के देश में और अधिक प्रवाह को रोका जा सके। अमेरिका को सप्लाई किए जाने वाले एनर्जी उत्पादों पर कैनडा का नियंत्रण है। कैनडा, अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले ऊर्जा उत्पादों का एक प्रमुख एक्सपोर्टर है।

तथापि, कार्नी को अमेरिका के खिलाफ अपनी क्रूसेड शुरू करने से पहले अपनी घरेलू लड़ाई को प्रभावी ढंग से लड़ना होगा। टूडो के नेतृत्व में, सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी ने चुनावी आधार खो दिया था और कन्ज़र्वेटिव पार्टी ने धीरे-धीरे अपनी स्थिति को बेहतर बना लिया था।

कन्ज़र्वेटिव पॉलिटीशियन, पियर पॉलिएव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर यू. एस. के हमलों का सामना करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया था। टूडो के समय विपक्षी पार्टी की स्थिति सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी से बेहतर हो गई थी।

तथापि, मार्क कार्नी के नए नेता बनने के बाद कंज़र्वेटिव पार्टी एक नए संघर्ष की उम्मीद कर रही है। कार्नी के ये बयान, कि वे अमेरिका से हार नहीं मानेंगे, देश भर में बहुत सराहे गए हैं और पोल्स में लिबरल पार्टी अब वापस कन्ज़र्वेटिव्ज़ के नज़दीक आ रही है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908